प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-281 | मथुरा, शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

वृंदावन में 84 भक्ति स्तंभ कराएंगे नई अनुभूति का अहसास

रात को विद्युत की रोशनी में चमकेंगे स्तंभ

यमुना एक्सप्रेस वे से वृंदावन आने वाले मार्ग पर बनाए 84 भक्ति स्तंभों के लिए खड़े किए गए पिलर।

भक्ति स्तंभों पर सबसे ऊपर लगाए जाने वाले पत्थर की गाय।

पत्थर पर लिखा दिखाई राधे–राधे का शब्द।

महेश वार्ष्णेय

यूनिक समय, वृंदावन। अभी कुछ दिन और इंतजार कीजिए। यमुना एक्सप्रेस वे से वृंदावन प्रवेश करने पर अलग ही अनुभूति का अहसास होगा। यह बात इसलिए कही जा रही है कि यमुना एक्सप्रेस वे से आने वाले मार्ग पर दो पुलों के आगे हैलीपैड तक लगाए जा रहे चौरासी भक्ति स्तंभ योगीराज श्रीकृष्ण की क्रीड़ास्थली आने का संकेत देंगे। इन भक्ति स्तंभों का पूरा करने का काम तेजी से चल रहा है। यमुना एक्सप्रेस वे आने वाले सड़क मार्ग की डिवाइडर पर करीब सवा दो किलो मीटर के बीच करीब 15 मीटर की दूरी पर भक्ति स्तंभ निर्माण का कार्य चल रहा है। यह भक्ति स्तंभ बनकर तैयार हो जाएंगे, उन पर पत्थर की गढ़ी कलाकृतियां लगाई जाएंगी। फिर सबसे ऊपर लाल पत्थर से बनी गाय, सुदर्शन चक्र, राधा कृष्ण और मोर मूर्तियां लगेंगी। इन सबके बीच में राधे–राधे लिखा हुआ होगा। इससे पहले ऐसा ही प्रयोग प्रयागराज में लगे महाकुंभ मेला में हो चुका है। यहां पर एयर पोर्ट से निकलने वाले मार्ग पर 84 आस्था स्तंभ लगाए गए थे। यह स्तंभ रात के दौरान विद्युत की रोशनी में ऐसे जगमग हो रहे थे, जिनको एक बार देखने वालों के कदम थम से जाते थे। अब यमुना एक्सप्रेस वे से वृंदावन आने वाले और जाने वालों के दिलों में यह भक्ति स्तंभ अलग जगह बनाएंगे।

भक्ति स्तंभ पर लगने के लिए आए सुदर्शन चक्र, राधाकृष्ण, मोर की आकृतियों के पत्थर बंद पैकेट में।

यमुना एक्सप्रेस वे से आने वाले मार्ग पर स्तंभ लगाने का कार्य जोरों पर

स्तंभ पर गाय, सुदर्शन चक्र, राधाकृष्ण और मोर की होगी आकृति

दावा किया है कि इनको देखने मात्र से 84 लाख योनियों के सफर की अनुभूति होगी। उन्होंने इन स्तंभों की खासियत बताते हुए कहा कि कोई भी साधक जब इन स्तंभों के दर्शन करेगा तो उसे 84 लाख योनियों का सफर पूरा कर लेने की अनुभूति होगी। इनको देखने से साधकों को सांकेतिक रूप से जीवन के सभी चक्रों को पूरा करने के साथ ही सनातन धर्म और दर्शन की गूढ़ शिक्षाओं का भी ज्ञान होगा। दरअसल, आत्मा सदैव अपने अस्तित्व की तलाश करती है। इसके लिए उसे 84 लाख बार अलग–अलग योनियों में धरती पर आना पड़ता है। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक यह पूरा चक्र 21 लाख की चार श्रेणियों में विभाजित है। इसी प्रकार जब आत्मा मानव शरीर में आती है तो चार पुरुषार्थों धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का लक्ष्य हासिल करने के लिए ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास आदि आश्रमों से गुजरना पड़ता है। इसी प्रकार भक्ति के ये स्तंभ आत्मा को भरोसा देते हैं कि राधाकृष्ण की कृपा से आवागमन से मुक्त होकर अपने परम गति को प्राप्त होंगे।

गांजा रखने के मामले में कोर्ट ने दी अदालत उठने तक की सजा

यूनिक समय मथुरा। न्यायालय जेएम छाता ने अवैध गांजा रखने वाले अभियुक्त को अदालत उठने तक की सजा और पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।जेएम छाता के न्यायालय में अभियुक्त कंजर पुत्र फूल सिंह निवासी नगला उटावर कोसी कलां को पुलिस ने अवैध गांजा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया था। मुकदमे की सुनवाई जेएम छाता न्यायालय में हुई। जेएम ने गवाहों की गवाही अदि के मद्देनजर दोषी ठहराते हुए अदालत उठने तक की सजा औ पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

ठा. बांके बिहारी मंदिर में महिला के साथ अभद्रता और मारपीट करने का लगा था आरोप

मंदिर में तैनात दो सिपाहियों पर कोर्ट के आदेश पर मुकदमा

यूनिक समय, वृंदावन । वृंदावन पुलिस के दो सिपाहियों पर कोर्ट के आदेश पर महिलाओं से अभद्रता और मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार कासगंज निवासी अरुणा देवी 4 नवंबर को वृंदावन स्थित ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में दर्शन करने के लिए अपने भाई संजय सिंह, राहुल उर्फ विश्वजीत सिंह, अभय उर्फ शिववीर सिंह, विवेक उर्फ निर्भय सिंह के साथ आई हुई थी। महिला ने आरोप लगाया कि जब वह बाँके बिहारी मंदिर के अन्दर खडी थी। तभी आधा दर्ज़न आरोपी शराब के नशे मे उसके पास आये और उससे अश्लील बातें करते हुए छेड़खानी करने लगे। आरोप है कि उनमें से जगवेन्द्र तथा अजीत जो स्वयं को ठाकुर बांके बिहारी मंदिर सुरक्षा पर तैनात बता रहे थे, वे उसे खींच कर अपने साथ ले जाने लगे। जब उसने और उसके भाईयों ने विरोध किया, तो

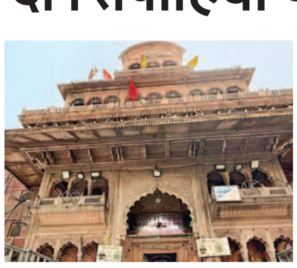

जगवेन्द्र और अजीत ने भारी भीड के सामने बाँके बिहारी मंदिर के अन्दर उसका ब्लाउज फाड़कर उसे सभी के सामने लज्जाहीन कर दिया तथा महिला के भाईयों संजय सिंह, राहुल उर्फ विश्वजीत सिंह, अभय उर्फ शिववीर सिंह, विवेक सिंह उर्फ निर्भय सिंह को जगवेन्द्र, अजीत तथा उनके साथ मौजूद चार अन्य व्यक्तियों ने बुरी तरह लात घूसों व लोहे के रॉड से मारा पीटा। जिससे सभी लहुलूहान हो गये तथा महिला के भाईयों के गम्भीर चोटें आयीं। जब वहां मौजूद लोगों ने सभी को बचाने की कोशिश की, तो उन्हे इन लोगो ने धमकी दी। हम पुलिस वाले है। तुम सबको अन्दर कर देगें तथा प्रार्थिया को नग्न अवस्था में तथा मेरे भाईयों को जबरन खींचकर मंदिर से बाहर ले गये और इन लोगो ने महिला के भाई संजय सिह के हाथ की सोने की अंगूठी छीन ली तथा महिला ने आरोप लगाया कि उसके भाइयों के पास जेबो में रखे करीब 60 हजार रूपये जबर दस्ती छीन लिये। जब महिला ने कहा कि वह तुम सब के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करेगी। तुमने मेरी इज्जत खराब कर दी है। तो सभी लोगो ने थाना वृन्दावन पुलिस से मिलकर महिला के भाईयों को झूठा मुकदमा बनाकर जेल भेज दिया। प्रार्थिया को धमकी दी कि यदि हमारे खिलाफ कानूनी कार्यवाही करोगे तो तुम लोगो को जान से मार देंगे। वही महिला ने बताया कि कोतवाली वृन्दावन पुलिस से गुहार लगायी, लेकिन किसी ने उसकी नहीं सुनी। वही पीड़ित महिला ने महिला थाना मथुरा पर प्रार्थनापत्र दिया, लेकिन महिला थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की । मेरे भाईयों शिववीर सिंह उर्फ अभय सिंह विवेक सिंह उर्फ निर्भय सिंह का मिलिटी हॉस्पीटल में मेडीकल हुआ तथा हमारे साथ हुई मारपीट और छेडखानी की ऑडियो मौजूद है।

बयान देने बच रहे बड़े अधिकारी

यूनिक समय, वृंदावन। कोर्ट के आदेश पर जैसे ही दो सिपाहियों पर मुकदमा दर्ज किया गया। उसके बाद मथुरा पुलिस प्रशासन के आलाधिकारी इस पर बयान देने से कतरा रहे हैं। वहीं सीओ सदर, एसपी सिटी सीयूजी फोन भी नहीं रिसीव रहे हैं। आपको बताते चलें कि सीओ सदर संदीप सिंह का सीयूजी फोन तो कभी रिसीव ही नहीं होता है।

फ्री फ्लो टोल सिस्टम लागू

बिना रुके चलते रहो... 1 साल में खत्म होगा टोल पर रुकना

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश में हाईवे पर टोल वसूली का मौजूदा सिस्टम एक साल में पूरी तरह खत्म हो जाएगा। इसकी जगह एक नया इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम लागू किया जाएगा। इससे गाड़ियों को टोल प्लाजा पर रुकना नहीं पड़ेगा। यह जानकारी केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान दी। गडकरी ने कहा कि यह नया सिस्टम 10 जगहों पर शुरू हो चुका है। सरकार ने देश में टोल वसूली आसान बनाने को मल्टी–लेन फ्री फ्लो टोल सिस्टम लागू किया है। इसमें ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन, एआई एनालिटिक्स व फास्टैग तकनीक से बिना रुके, एकीकृत और इंटरऑपरेबल तरीके से टोल कलेक्शन होगा।

भारत में मल्टी–लेन फ्री फ्लो टोल सिस्टम गुजरात के चोर्यासी (सूरत), हरियाणा के घरौंडा (एनएच–44), और दिल्ली–एनसीआर के सराय काले खां (एनएच–48) जैसे प्रमुख स्थानों पर लागू हो चुका है, जिसका लक्ष्य टोल बूथों पर वाहनों को रोकना नहीं और जाम खत्म करना है, और आने वाले समय में इसे देश के 25 और टोल प्लाजा पर लागू किया जाएगा।

जन्मस्थान ईदगाह प्रकरण

बहस के बाद पत्रावली आर्डर में रिजर्व

यूनिक समय मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि की जमीन का फर्जी पंजीकरण, विद्युत चोरी, करोड़ों की अवैध वसूल को लेकर दायर वाद में शुक्रवार को सीजेएम की अदालत में सुनवाई हुई। अदालत ने पत्रावली को आर्डर के लिए रिजर्व कर लिया है। आशुतोष पांडे की ओर से सीजेएम की अदालत में दायर किए वाद में श्रीकृष्ण जन्मभूमि की जमीन का फर्जी पंजीकरण, 50 वर्षों की बिजली चोरी, करोड़ों की अवैध वसूली के खिलाफ अदालत के माध्यम से मुकदमा दर्ज कराने के लिए वाद दायर किया गया है। आशुतोष पांडे ने बताया कि शुक्रवार को सीजेएम की अदालत में उनकी ओर से लिखित बहस दाखिल की गई। उनका दावा है कि इसके बाद अदालत ने पत्रावली को आर्डर के लिए रिजर्व कर लिया गया है।

नए पुल से आवागमन की तारीख कब मिलेगी

कागजों में जल्द खुल रहा पुल जमीन पर आज भी कच्चा रास्ता

वृंदावन–पानीगांव के बीच यमुना पुल पर निर्माणधीन पुल का नजारा।

निर्माणधीन पुल का वृंदावन की ओर आने वाले कच्चा पड़ा संपर्क मार्ग।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। यमुना एक्सप्रेस वे से सीधे नए पुल से वृंदावन आने का इंतजार कब खत्म होगा। कई बार सुनने को मिला कि अब जल्द शुरू हो जाएगा नए पुल से वाहनों का आवागमन। सीडीओ मनीष मीणा ने एक बार नहीं कई बार इस निर्माणीधीन पुल का निरीक्षण किया और हर बार दावा किया कि नए पुल जनता के लिए जल्द खोल दिया जाएगा, लेकिन पुल निर्माणधीन कंपनी की ओर से लगाए कर्मचारियों की लेट लतीफी से पुल से आवागमन की सही तारीख और आगे बढ़ जाती है। यूनिक समय टीम ने शुक्रवार को निर्माणाधीन पुल को देखा। देखने से यह लग रहा था कि अभी तक पुल का संपर्क मार्ग कच्चा है और धूल उड़ रही है। यह एक ओर का मामला नहीं है बल्कि दूसरी ओर का मार्ग भी कच्चा पड़ा है। लोगों का कहना है कि पुराने पुल पर जाम की समस्या से बचने के लिए नए पुल को जल्द चालू कराया जाना चाहिए। लोगों ने

वृंदावन–पानी गांव के बीच बन रहे दूसरे पुल और पहले पुल का मिलान वृंदावन एक जगह हो रहा है। इसका मतलब साफ है कि पुराने पुल से वाहन जाएंगे और यमुना एक्सप्रेस वे से आने वाले वाहन नए पुल से वृंदावन की ओर आएंगे।

इंतजार करते–करते परेशान हो गए लोग

इस बात पर हैरानी जताई कि यमुना एक्सप्रेस वे से नए पुल के माध्यम से वृंदावन आने वाले वाहन और पुराने पुल की ओर जाने वाले वाहनों का पहुंच का रास्ता फिर जाम की समस्या को बढ़ाएगा। वजह पागल बाबा मंदिर की ओर से कोई वाहन यमुना एक्सप्रेस वे जाना चाहता है और उसी समय यमुना एक्सप्रेस वे नए पुल से वाहनों की कतार आती है तो एक ओर के वाहनों को रोकना पड़ेगा। यदि किसी भी वाहन चालक ने जल्दबाजी की तो जाम की नौबत खड़ी हो सकती है।

जाम की समस्या को लेकर कई विभागों के अधिकारियों से मंथन

विद्युत मुख्य अभियंता राजीव गर्ग को ज्ञापन देते व्यापारी।

शहर के व्यापारियों ने ज्ञापन दिए

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जाम की समस्या को हल करने की दिशा में नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने दूर संचार , बिजली व वन विभाग के अधिकारियों से मिलकर समस्या समाधान में सहयोग की अपेक्षा की। इस पर सभी विभागों के अधिकारियों को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया। ज्ञात हो विगत दिनों जाम से परेशान व्यापारी पुलिस कप्तान के पास पहुंचे। आग्रह कर उन्हें अपने साथ लेकर गोवर्धन चौराहे से मंडी चौराहे तक का पैदल भ्रमण कर जाम की समस्या के निस्तारण का प्रयास किया। इस श्रृंखला में जिलाधिकारी ने तुरंत सभी संबंधित विभागों के साथ बैठक कर सामंजस्य से इस समस्या के समाधान के प्रयास किए गए। ज्ञापन देने वालों में व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, महामंत्री शशि भानु गर्ग, उपाध्यक्ष गुरमुख दास, सुनील साहनी, सहमहामंत्री भगवान चतुर्वेदी, संगठन मंत्री लक्ष्मण दास कालरा एवं युवा नगर अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल शामिल थे।

पांचजन्य प्रेक्षागृह में कल श्रीमद्भगवद गीता पर कार्यक्रम

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। इस्कॉन भक्तिवेदांत गुरुकुल एवं इंटरनेशनल स्कूल के कम्युनिकेशन निदेशक सुरपति दास ने बताया कि 6 दिसम्बर को श्रीमद्भगवद गीता पर विशेष अध्ययन एवं अनुशीलन कार्यक्रम होगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं समुदाय के साथ–साथ सम्पूर्ण विश्व को श्रीमद्भगवद के शाश्वत संदेश से जोड़ना तथा जीवनोपयोगी शिक्षाओं को व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत करना है। यह कार्यक्रम कल सुबह 10 बजे पांचजन्य प्रेक्षागृह मथुरा मे होगा। यह भक्तिवेदान्त गुरुकुल का वार्षिक अंतर्विद्यालयीय सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक प्रतियोगिता है और इसमें जिले के लगभग सभी विद्यालय के छात्र भाग ले रहे है। गीता के श्लोक पाठ एवं गीता पर भाषण जैसे कार्यक्रम शामिल होंगे। समारोह में जिला के विधायक, अधिकारी एवं सम्मानित नागरिक सहित अनेक वैष्णवगण, शिक्षाविद्, साधुसंत तथा हजारों–हजार युवा प्रतिभागी भाग लेंगे।

15 दिसम्बर तक सभी शिक्षकों का डेटा पोर्टल पर अपडेट करना अनिवार्य

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं में केन्द्र व्यवस्थापक, बाह्य केन्द्र व्यवस्थापक, कक्ष निरीक्षक तथा प्रयोगात्मक परीक्षा और मूल्यांकन कार्य से जुड़े परीक्षक नियुक्त करने के उद्देश्य से माध्यमिक शिक्षकों का पूरा विवरण परिषद की वेबसाइट पर उपलब्ध कराना आवश्यक है। प्रदेश भर के विद्यालयों में तैनात अध्यापकों और प्रधानाचार्यों की जानकारी अपलोड/अपडेट करने की प्रक्रिया जारी है, लेकिन अब भी 17,635 संस्थानों द्वारा यह कार्य पूरा नहीं किया गया है। प्रत्येक जिले के अधिकारी को यह सुनिश्चित करना होगा कि 15 दिसम्बर तक सभी संस्थाओं द्वारा सौ प्रतिशत डेटा पोर्टल पर दर्ज कर दिया जाए। परिषद ने स्पष्ट किया है कि विवरण भरते समय नाम, पद, जन्मतिथि, नियुक्ति तिथि, विषय और मोबाइल नंबर पूरी सावधानी से दर्ज हों, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि न रह जाए। जिन अध्यापकों ने सेवा छोड़ दी है अथवा जिनका निधन हो चुका है, उनके नाम पोर्टल से हटा दिए जाएं। नए नियुक्त स्टाफ की जानकारी तत्काल जोड़ी जाए और किसी भी शिक्षक का विवरण दो अलग–अलग विद्यालयों में दर्ज नही होना चाहिए। प्रधानाचार्य अंतिम सबमिशन से पहले यह सत्यापित कर लें कि उनके विद्यालय के शिक्षकों की प्रविष्टि किसी अन्य संस्था में दोहराई नहीं गई है। विषय कोड दर्ज करते समय यह ध्यान रहे कि अध्यापक जिस कक्षा–हाईस्कूल या इंटरमीडिएट के लिए नियुक्त हैं, उनके विषय का कोड उसी के अनुरूप भरा जाए। परिषद ने स्पष्ट किया है कि इसी अद्यतन डेटा के आधार पर आगामी परीक्षा प्रणाली के लिए सभी पदों पर नियुक्तियाँ की जाएंगी।

पेंशन अदालत 22 दिसंबर को

यूनिक समय, मथुरा। वरिष्ठ कोषाधिकारी मुन्ना लाल शुक्ल के मुताबिक 22 दिसंबर को मध्याह्न 1:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में पेंशन अदालत लगेगी। जिन पेंशन भोगियों को पेंशन सम्बन्धी कोई समस्या हो तो वह अपनी समस्या सम्बन्धी वाद पत्र दो प्रतियों में वरिष्ठ कोषाधिकारी, कार्यालय में 15 दिसंबर तक जमा करा सकते हैं। पेंशन अदालत में केवल वही पेंशन भोगी अपने प्रत्यावेदन के साथ उपस्थित होगें, जिनकी कोई पेंशन सम्बन्धी समस्या हो।

मथुरा के डॉ. सिद्धार्थ धनगर राज्य स्तर पर सम्मानित

लखनऊमें जॉइंट डायरेक्टर एसआईटी डॉ. चित्रा सुरेश मथुरा जिला अस्पताल के डॉ. सिद्धार्थ धनगर को सम्मानित करती हुई।

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित एसटीआई एवं आरटीआई सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चिकित्सक को लखनऊ में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला में सम्मानित किया गया। इसी क्रम में मथुरा जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. सिद्धार्थ धनगर को जॉइंट डायरेक्टर एसआईटी डॉ. चित्रा सुरेश ने सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मान मिलते ही जिले के स्वास्थ्य कर्मियों तथा उनके शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। सभी ने डॉ. सिद्धार्थ की मेहनत, निष्ठा और सेवाभाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि डॉ. धनगर लगातार गंभीरता और लगन के साथ एसटीआई–आरटीआई सेवाओं को बेहतर बनाने में योगदान दे रहे हैं। यह सम्मान न केवल उनका व्यक्तिगत गौरव है।

बृजवासी ने वृंदावन में खोला शानदार आउटलेट

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन में शुक्रवार को बृजवासी ग्रुप के नए हाई–फाई आउटलेट के खुलते ही श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। वैष्णोदेवी मंदिर के समीप खुले इस आधुनिक और सेंट्रल एयरकंडीशन आउटलेट में सुबह से ही लंबी कतारें लग गईं। यहां दक्षिण भारतीय, कॉन्टिनेंटल, चाइनीज, इटालियन और पंजाबी सहित सभी प्रकार के स्वादिष्ट एवं हाइजीनिक शाकाहारी व्यंजन उपलब्ध हैं। बृजवासी ग्रुप के निदेशक पुलकित अग्रवाल ने बताया कि आउटलेट में प्रतिदिन सुबह 7 बजे से रात 11 बजे तक विभिन्न व्यंजन परोसे जाएंगे। यह पूर्णतः शुद्ध शाकाहारी है और यहां प्याज पूरी तरह निषेध रहेगा। इसके अलावा एक साथ 200 से अधिक लोगों के बैठने की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे श्रद्धालुओं को खाने के दौरान आरामदायक वातावरण मिलता है। छटीकरा–वृंदावन मार्ग पर डालमिया फार्म हाउस के सामने स्थित यह आउटलेट वृंदावन की खाद्य संस्कृति को नई पहचान देने का काम करेगा। ओपनिंग के पहले ही दिन सुबह 10 बजे से खाने वालों की भीड़ लग गई। दिल्ली से आई सुषमा सिंघल ने

आउटलेट का स्वाद लोगों को भाया

बताया कि आउटलेट का माहौल उन्हें किसी विदेशी रेस्तरां जैसा लगा। उन्होंने कहा कि यहां मथुरा का प्रसिद्ध पेड़ा भी आसानी से मिल रहा है, जिससे उन्हें कहीं और भटकना नहीं पड़ा। वहीं, नोएडा निवासी विशाल गुप्ता ने कहा कि यहां के छोले–भटूरे प्रसिद्ध ब्रांड हल्दीराम से भी बेहतर स्वाद दे रहे हैं। जानकारी के अनुसार, इसी परिसर में जल्द ही देश–विदेश में चर्चित हयात होटल की भी ओपनिंग होने वाली है, जिससे इस क्षेत्र में पर्यटन और सुविधाओं का विस्तार और तेजी से होगा।

एक करोड़ नौ लाख रुपये की लागत से अगरयाला में शुरू हुई हाइटैक नर्सरी

जनता को मिलेगी सब्जियों की बेहतरीन पौध

ग्राम अगरयाला में हाईटैक नर्सरी की पौध को देखते अधिकारी।

डिब्बों में पैक नर्सरी की पौध।

सब्जियों की बेहतरीन पौध तैयार करने की गई व्यवस्था

मौसमी सब्जियों के अगेती स्वास्थ्य व रोगमुक्त पौध होगी तैयार

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश सरकार ने उद्यान विभाग की मदद से किसानों की आय को दो गुना करने के लिए एक करोड़ नौ लाख रुपये की लागत से चौमुहां ब्लाक के ग्राम अगरयाला में एक हाईटैक नर्सरी मनरेगा कनवेशन के जरिए तैयार की है।

जिला उद्यान अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि प्रदेश सरकार ने किसानों की आय को दोगुना करने के लिए हाईटेक नर्सरियों की स्थापना हर जनपद में की है। जनपद में भी उद्यान विभाग ने मनरेगा कनवेशन से चौमुहां ब्लाक की ग्राम पंचायत अगरयाला में इस हाईटेक नर्सरी तैयार की गई है। इस नर्सरी उच्च गुणवत्तायुक्त एंव स्वस्थ्य एवं रोग रहित सब्जियों की पौध तैयार की जा रही है। नर्सरी में कोकोपिट और बर्मी कोलाइट तथा अपरलाइट के मिश्रण से सब्जियों की पौध तैयार की जाती है। नर्सरी से किसानों को अगेती सब्जियों की पौध तैयार करके खेतों में लगाने के लिए बिक्री की जाती है। इस तरह किसान बिना मौसम की सब्जियों को खेत में उगा कर उन्हें बाजार में अच्छी कीमत पर बिक्री कर दो गुना लाभ कमा सकता है।

दो लाख से अधिक सब्जियों के पौधे हो चुके हैं बिक्री

यूनिक समय, मथुरा। हाइटैक नर्सरी में करीब दो लाख से अधिक पौधे किसानों को बिक्री किए जा चुके हैं। इनमें पपीता, टमाटर, बैगन, ब्रोकली, फूल गोबी , पत्ता गोबी, मिर्च आदि बिक्री हो रहीं है। इन पौधों के लगाने से किसान को काफी लाभ मिल रहा है।

नर्सरी में पौधे तैयार करने में मिट्टी का नहीं होता है उपयोग

यूनिक समय, मथुरा। उद्यान विभाग की नर्सरी में सब्जी की जो पौध उगाई जाती है। उसका अपना ही अलग तरीका है। पौधों को मिट्टी में नहीं उगाया जाता है। पौधे कई चीजों के मिश्रण में होते हैं तैयार। इस नर्सरी में पौधों को मिट्टी में नहीं उगाया जाता है। इनके लिए विशेष तरह के इंतजाम किए गए है। नर्सरी में पौध उगाने के लिए कोकोपिट और बर्मी कोलाइट तथा अपरलाइट के मिश्रण में बीज को उगाया जाता है। हाइटैक नर्सरी में पौधों के विकास के लिए टेंपचर को मेनटेन रखने के साथ–साथ पौधों को दवाई आदि भी लगाई जाती जिससे पौधे निरोग और अच्छी तरह विकसित होकर उत्पादन भी काफी बेहतर दे सकें।

नर्सरी में दो रुपये में दिया जाता है एक पौधा

यूनिक समय मथुरा। नर्सरी पर बिकने वाले बेहतर पौधों की कीमत भी सरकार की ओर से निर्धारित की गई है। इसके साथ ही किसान अपने बीजों से भी पौध तैयार करा सकता है। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि इस हाइटेक नर्सरी पर बिक्री किए जाने वाला पौधा दो रुपये में किसानों को दिया जाता है। इसके साथ ही किसान अपने बीज से हाइटैक नर्सरी पर पौध तैयार करा सकता है। इसके लिए उसे प्रत्येक पौधे के लिए एक रुपया देना होता है। नर्सरी पर उत्पन्न किए जाने वाले पौधों से आस–पास के किसानों को काफी लाभ हो रहा है।

अगेती सब्जियों की फसल किसानों को देगी दो गुना फायदा

यूनिक, समय, मथुरा। नर्सरी में तैयार सब्जियों की पौध से अगेती फसल तैयार कर किसान कमा सकते हैं दो गुना लाभ। बाजार में बे मौसमी सब्जियों की उपलब्धता काफी कम होती है। यही कारण है कि बाजार में बिकने वाली बे मौसम कि सब्जियों की कीमत काफी अधिक होती है। बाजार में बाद में उन सब्जियों के आने से इस तरह की सब्जियों की कीमत कम हो जाती है। सब्जियों की अगेती खेती कर किसान अपनी आय को काफी बढ़ा सकता है।

नर्सरी किसानों की पैदावार के लिए है फायदे का सौदा

यूनिक समय, मथुरा। बिना मौसम की सब्जियों को किसानों को अपने खेतों में उगाने का इस नर्सरी से मिल रहा अच्छा मौका। किसान को बारिश के मौसम में सब्जियों की पौध तैयार करने में भारी दिक्कत होती है। खेत में लगी काफी पौध पानी के कारण मर जाती है। इसके साथ ही काफी पौधों में बीमारी भी लग जाती है। इससे किसान को भारी नुकसान होता है, लेकिन हाइटेक नर्सरी में इन सब का पौधों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। पौधे स्वस्थ्य और रोगमुक्त होते हैं।

नगर निगम की टीम ने पांच दर्जन से अधिक होर्डिंग्स हटाए

मथुरा शहर में अवैध रूप से लगे क्योस्क बोर्ड/होर्डिंग्स को हटाने के लिए जाती नगर निगम की टीम।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नगर आयुक्त जगप्रवेश के निर्देश पर नगर निगम सीमा में अवैध रूप से लगे क्योस्क बोर्ड/होर्डिंग्स को हटाने के लिए आज अभियान चलाया गया। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी के नेतृत्व में राजस्व विभाग के कर्मचारियों के साथ औरंगाबाद से टाउनशिप तिराहे तक अभियान चलाया गया। अभियान में लगभग 78 बोर्ड/होर्डिंग हटाये गये। अभियान में राजस्व विभाग के शंकर लाल व अन्य कर्मचारी शामिल थे।

नीम करौली आश्रम के समीप मिले वृद्धा के शव की हुई शिनाख्त

यूनिक समय मथुरा। कोतवाली वृंदावन के नीम करौली आश्रम के समीप दो दिन पहले मिली अज्ञात महिला की लाश की शिनाख्त चंदौसी निवासी कांती देवी के रुप में परिवार के लोगों ने आज आकर की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वृंदावन के नीम करौली आश्रम के समीप एक वृद्ध महिला (70)का शव पड़ा होने की जानकारी दी गई थी। पुलिस ने महिला के शव को मोरचरी में रखवा दिया। इसके बाद महिला के बारे में जानकारी जुटाना शुरू किया। पुलिस ने उसके परिजनों को इस बारे में सूचना दी। आज परिवार के लोगों ने आज यहां आकर उसकी शिनाख्त कांती देवी पत्नी केदारनाथ पांडेय निवासी मंझावर थाना चंदोसी जिला चंदोसी के रुप में की है। पुलिस ने वृद्धा के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिवार के लोगों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया।

राया स्थित गणेश मंदिर के स्थापना दिवस पर पूजा करते लोग।

गणेश मंदिर का छठ वाँ स्थापना दिवस समारोह मनाया

यूनिक समय, राया (मथुरा)। कस्बा के रामलीला मैदान स्थित श्री महेश्वरम गणेश मंदिर का छठ वाँ स्थापना दिवस समारोह भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः मंगला आरती के साथ हुआ। इसके उपरांत भगवान गणेश का पंचामृत से अभिषेक कर पूजा अर्चना के साथ आकर्षक पोशाक धारण कराकर मंदिर में फूल बंगले में विराजमान किया। इस दौरान चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल, अखिल अग्रवाल, अभिषेक पाराशर , डॉ. नरेंद्र रावत, राजेंद्र प्रसाद चौबे, चंद्रप्रकाश अग्रवाल, विशाल पाराशर, प्रभुदयाल शर्मा, गिर्राज प्रसाद, कालीचरन अग्रवाल, मनोज वार्ष्णेय तथा प्रतुल गंगल आदि मौजूद थे।

QCI QUALITY COUNCIL OF INDIA

सेवा ही संकल्प हमारा

स्व. श्रीमती कान्ती देवी जी

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर

अकबरपुर, छाता, मथुरा, मो. 7055400400, 7088105741

हम सब की प्रेरणास्त्रोत, सदैव भक्तिभाव में लीन रहने वाली समाजसेविका, मृदुभाषी, प्रेम की प्रतिमूर्ति स्व. श्रीमती कान्ती देवी जी की पुण्य स्मृति में

विशाल निःशुल्क नेत्र शिविर

शिविर में उच्च प्रशिक्षित एवं अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिन्द का ऑपरेशन आधुनिक लेजर तकनीक द्वारा किया जायेगा। क्षेत्र के समस्त रोगी जिनकी आँखों से पानी आता है, रोशनी कम हो रही है, मोतियाबिन्द है, काला मोतियाबिन्द है, भैंगापन है, आँखों के पर्दे से सम्बन्धित बीमारी है तो अधिक से अधिक संख्या में आकर चिकित्सा का लाभ लें और इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर रुपी यज्ञ को सफल बनाएं।

स्थानः– के०डी० मेडिकल कॉलेज हास्पीटल (पहली मंजिल ओपीडी नं. 4)

शिविर अवधिः– 05 नवम्बर 2025 से 04 दिसम्बर 2025 तक

पंजीकरण समयः– प्रातः 9 से सायं 4 बजे तक (रविवार अवकाश)

फैको की अत्याधुनिक मशीन द्वारा विदेशी प्रीमियम IOL जैसे ऐल्कॉन आईक्यू एवं टैक्नीस लैंस अन्य अस्पतालों से आधी कीमत पर लगाए जा रहे हैं।

बरसाना के गांव डाहरौली में युवक की निर्मम हत्या

ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर लगाया जाम

सड़क पर जाम लगाकर धरना पर बैठी महिलाएं।

गुस्साए लोगों को समझाते एसपी देहात सुरेश चंद रावत।

यूनिक समय, बरसाना /गोवर्धन (मथुरा)। थाना बरसाना क्षेत्र के गांव डाहरौली में 35 वर्षीय युवक की अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी। ग्रामीणों के अनुसार रात्रि लगभग 10 बजे युवक महादेव पुत्र खच्चड निवासी डाहरौली गांव के पास ही अपनी परचून की दुकान को बंद करके घर जा रहा था तभी अज्ञात बदमाशों ने युवक की निर्मम तरीके से धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी। ग्रामीणों ने

एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत ने ग्रामीणों को समझाया

पुलिस के समझाने के बाद ग्रामीणों ने खोला जाम

बताया कि गांव के पास ही खेतों में ले जाकर अज्ञात बदमाशों ने युवक पर धारदार हथियार से कई जगह वार किए और उसके शव को कुएं में फेंक कर भाग गए। घटना की सूचना मिलने पर बरसाना, गोवर्धन सहित कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंच गया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दिन में पोस्टमार्टम के बाद युवक का शव गांव में पहुंचा तो ग्रामीणों ने गुस्से में शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और हत्या के खुलासे की मांग करने लगे इसके बाद क्षेत्राधिकारी गोवर्धन अनिल कुमार सिंह ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। एसपी देहात के नेतृत्व में फॉरेंसिक टीम और डॉग स्कायड ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी। एसपी देहात सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि मामले की जांच चल रही है घटना का खुलासा करने के लिए टीमों का गठन गठन कर दिया गया है। जल्द ही मामले का खुलासा कर गुनहगारों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एसपी देहात के द्वारा आश्वासन दिए जाने के बाद ग्रामीणों ने जाम खोल दिया।

एसपी आरए का वार्षिक निरीक्षण नहीं हो सका

यूनिक समय, सुरीर (मथुरा)। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुरेश चंद्र रावत को कोतवाली सुरीर का गुरुवार को वार्षिक निरीक्षण करना था। अचानक उन्हें अपना निरीक्षण रद्द करना पड़ा। उनकी गैरमौजूदगी में सीओ मांट आशीष शर्मा ने ग्राम प्रधानों व संभ्रांत लोगों के साथ बैठक करते हुए ग्राम पंचायतों में सीसी टीवी कैमरे लगाने को कहा। उन्होंने ग्राम प्रधानों से कहा कि अपनी ग्राम पंचायतों में मुख्य चौराहों पर सीसी टीवी कैमरे लगवाने के साथ साथ गाँवों में अधिक से अधिक कैमरे लगाये ताकि अगर कोई घटना हो तो पुलिस को अपराधियों तक पहुंचने में मदद मिल सके। उन्होंने जनता और पुलिस के बीच निरंतर संवाद और पारदर्शिता बनाए रखने पर भी जोर दिया। मिशन शक्ति व डायल 112 आदि से संबंधित जानकारी भी दी। गांवों के चौकी दारों से कहा कि अपने–अपने क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क निगाह बनाए रखे। सभी चौकीदारों को कम्बल व टार्च भी वितरित किए। इस मौके पर थानाध्यक्ष अजय कुमार सिंह, एस आई विनोद यादव, एस आई मानिकचन्द्र शर्मा तथा एसआई अमित तोमर आदि मौजूद थे।

अच्छा कार्य करने पर विवेक लखनऊ में सम्मानित

यूनिक समय, मथुरा। महर्षि दयानन्द सरस्वती जिला अस्पताल मे संचालित एंटी रेट्रोवायरल थैरेपी सेंटर (एआरटी) के काउंसलर विवेक कुमार को एचआईवी–एड्स में अच्छा कार्य करने पर लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में अतिथि व अधिकारियों ने सम्मानित किया। सीएमएस डा.नीरज अग्रवाल एवं सेंटर प्रभारी डा.सिद्धार्थ धनगर के निर्देशन में विवेक ने सेंटर पर आने वाले संक्रमितों से अच्छा व्यवहार,सही जानकारी,उचित परामर्श,हताश हो चुके संक्रमितों को उचित परामर्श से जीने की नई राह दिखाई आदि कार्यों पर यह सम्मान मिला है। विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारियों ने बधाई दी है।

लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में अतिथि अधिकारी मथुरा के विवेक कुमार को सम्मानित करते हुए।

जोधपुर झाल वेटलैंड में प्रवासी पक्षियों के अध्ययन को लेकर कार्यशाला

ब्रज की विरासत बचाना हर नागरिक की जिम्मेदारी: शैलजाकांत

संवाददाता

यूनिक समय, फरह/मथुरा। आगरा-मथुरा सीमा स्थित जोधपुर झाल वेटलैंड के वैज्ञानिक संरक्षण एवं प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की पहल पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। प्रथम दिवस यह कार्यक्रम मथुरा स्थित सभागार में तकनीकी सत्र के रूप में हुआ, जबकि दूसरे दिन प्रतिभागियों को वेटलैंड पर फील्ड अभ्यास कराया गया। जोधपुर झाल को परिषद और वन विभाग मिलकर विकसित कर रहे हैं। वर्तमान में यहां बड़ी संख्या में विदेशी पक्षियों की आवाजाही होने से यह स्थल अध्ययन का प्रमुख केंद्र बन गया है। बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी के विशेषज्ञ डॉ. के.पी. सिंह ने प्रवासी प्रजातियों के आवास–पैटर्न, प्रवास चक्र, मार्ग, उड़ान व्यवहार, निगरानी पद्धतियों और पारिस्थितिक संबंधों पर वैज्ञानिक विवरण प्रस्तुत किया। पीपीटी के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय प्रवासी मार्गों तथा वेटलैंड संरक्षण की वैश्विक अवधारणा से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। फील्ड सत्र में जलस्तर मूल्यांकन, माइक्रो–हेबिटाट, जलीय वनस्पतियों की भूमिका, घास की प्रजातियों का पक्षियों पर प्रभाव और वेटलैंड मैनेजमेंट के विभिन्न पहलुओं का प्रत्यक्ष अध्ययन कराया गया। भरतपुर के अनुभवी नेचर गाइड गजेन्द्र सिंह और राजवीर सिंह ने जलीय व स्थलीय पक्षियों की पहचान संबंधी प्रशिक्षण दिया। इस दौरान बार–हेडेड गूज, ग्रे–लैग गूज, नॉर्दर्न शोवलर, गेडवाल, ब्लूथ्रोट, कॉमन टील, रूडी शेल्डक, टफ्टेड डक, पेंटेड स्टॉर्क, वूली–नेक्ड स्टॉर्क, कॉमन रेड–शेंक, स्पॉटेड रेड–शेंक, ग्रीन शेंक सहित कई महत्त्वपूर्ण प्रजातियों का अवलोकन किया गया। उद्घाटन सत्र में उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने कहा कि ब्रज की जल–वन विरासत को सुरक्षित रखना सभी की जिम्मेदारी है। परिषद के पर्यावरण सलाहकार मुकेश शर्मा ने बताया कि यह वेटलैंड सेन्ट्रल एशियन फ्लाईवे का प्रमुख हिस्सा है, ऐसे में तकनीकी प्रशिक्षण इसके दीर्घकालिक संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में वन विभाग के 30 अधिकारियों–कर्मचारियों के साथ परिषद के एसीईओ मदन चंद्र दुबे, उप प्रभागीय वन अधिकारी सुशील कुमार, मनीष कुमार शर्मा तथा वन दरोगा उपस्थित थे। संचालन बीआरडीएस की निधि यादव और अनुज यादव ने किया।

जोधपुर झाल वेटलैंड में प्रवासी पक्षियों का अध्ययन करते विशेषज्ञ।

कैंटर चालक ने लगाया कार सवारों पर लूट का आरोप

संवाददाता

यूनिक समय सुरीर/ मांट (मथुरा)। यमुना एक्सप्रेस वे पर थाना मांट में माइल स्टोन 92 पर कैंटर चालक ने कार सवारों पर मारपीट कर नकदी, मोबाइल और गाड़ी की चाबी लूटने का आरोप लगाया। पुलिस मामले को एक्सीडेंट मान रही है। हालांकि पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

बीती देर रात थाना मांट के यमुना एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन संख्या 92 पर पवन कुमार पुत्र यादराम सिंह निवासी सेवला सराय ग्वालियर रोड आगरा ने पुलिस को बताया कि वह आयशर कैंटर से फिरोजाबाद से कांच फैक्ट्री से खाली शराब की बोतल लेकर सोनीपत जा रहा था। यमुना एक्सप्रेस वे पर थाना मांट क्षेत्र में माइल स्टोन संख्या 92 के समीप पीछे से आ रही दो कारों में सवार युवकों ने कार को कैंटर के आगे लगा कर रोक लिया। पवन कुमार के अनुसार इन लोगों ने उसके सथ

पुलिस ने मामले को दुर्घटना का बताया

सीसी टीवी से पुलिस कर रही है मामले की जांच

मारपीट करते हुए छह हज़ार रुपये और मोबाइल और गाड़ी की चाभी को भी लूट कर ले गए। यमुना एक्सप्रेस वे पर रात में हुई लूट की सूचना मिलते ही मांट पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने एक्सप्रेस वे पर लगे सीसीटीवी कैमरों से कार सवारों को तलाशना शुरू कर दिया। थाना प्रभारी मांट जसवीर सिंह ने बताया कि मामला एक्सीडेंट का प्रतीत हो रहा है, लूट का नहीं लग रहा है। इसके बाद भी मामले की जांच की जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

मां– पुत्र का भावुक मिलन अपना घर आश्रम में हुआ

मां और पुत्र के मिलन पर अपना घर आश्रम के पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। 8 अगस्त को प्रेमचंद प्रजापति की सूचना पर बृज बिहार वाटिका, बीसीए कॉलेज के पास, मथुरा से लखन उर्फ दानिश प्रभु जी को रेस्क्यू करके लाया गया सेवा साथियों द्वारा की गई। ईश्वरीय सेवा एवं डॉ. रंजीत चौधरी के इलाज के बाद आश्रम के अध्यक्ष धन्नाराम द्वारा पूछताछ करने पर अपने घर का पता खैरात अली मोहल्ला मवाना, मेरठ बताया। प्रभु का फोटो एवं पता की जानकारी अपना घर आश्रम मेरठ के कार्यालय में दी गई और प्रभु जी के घर की जानकारी करने के लिए बोला गया। अपना घर आश्रम मेरठ के सेवासाथी ने प्रभु जी के घर की जानकारी स्वयं जाकर की गई एवं भाई का मोबाइल नंबर दिया और बताया कि घर वाले इनको लेना नहीं चाहते क्योंकि यह नशा करते हैं और घर पर नहीं रुकते हैं अपना घर आश्रम वृंदावन विवेक पाठक ने दिए गए नंबर पर भाई एवं मां से वीडियो कॉल पर प्रभु जी की बात कराई। वीडियो कॉल पर बात कर परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। विवेक पाठक ने काउंसलिंग कर समझाने पर परिवार वालों ने तत्काल आने के लिए कहा! आज विवेक पाठक ने कार्यालय की कार्रवाई कर खुशी–खुशी दानिश उर्फ लखन प्रभु जी को उनकी मां एवं भाई के साथ पुनर्वासित किया। मौके पर आश्रम के अध्यक्ष धन्नाराम एवं बादाम सिंह सेवासाथी उपस्थित थे।

दिसंबर की ठंड में धूप ने बढ़ाई गर्माहट, भगत सिंह पार्क में दिखी रौनक

भगत सिंह पार्क में धूप के दौरान लेटते लोग।

भगत सिंह पार्क में धूप के दौरान छात्राएं।

बेंच पर लेटा एक व्यक्ति

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय,मथुरा। दिसंबर माह की शुरुआत के साथ ही ठंड ने ठिठुरन बढ़ा दी है। सुबह और शाम की सर्द हवाओं ने लोगों को गर्म कपड़ों में सिमटने पर मजबूर कर दिया है। ऐसे में दिन में निकली हल्की–हल्की धूप लोगों के लिए किसी राहत भरी सौगात से कम नहीं साबित हो रही। शहर के डेम्पीयरनगर स्थित भगत सिंह पार्क में इन दिनों धूप सेंकने वालों की भीड़ उमड़ रही है। भगत सिंह पार्क में अलग–अलग वर्गों के लोग धूप का आनंद लेते दिखाई दिए। कई बुजुर्ग पेड़ों की छाया के बीच फैलती धूप में बैठकर शरीर गर्म कर रहे थे। वहीं कुछ लोग रोजमर्रा की भागदौड़ से राहत पाने के लिए शांत वातावरण में चैंन की नींद लेते दिखे। पार्क में मौजूद कुछ युवाओं ने बताया कि सुबह की ठंड इतनी तेज होती है कि बाहर निकलना मुश्किल हो गया है, इसलिए दोपहर की गुनगुनी धूप उनके लिए बड़ी राहत बन गई है। पार्क में छात्र–छात्राओं की भी अच्छी खासी हलचल दिखी। कई छात्र धूप में बैठकर परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। उनका कहना था कि घर के मुकाबले पार्क की शांति और प्राकृतिक वातावरण में पढ़ाई ज्यादा एकाग्रता से होती है। वहीं कुछ लड़कियां मोबाइल कैमरे में धूप के खूबसूरत माहौल की सेल्फी लेती नजर आईं। पिछले कुछ दिनों से तापमान लगातार गिर रहा है, जिससे सुबह के समय कोहरा छाने लगा है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना जताई है। ऐसे में लोग दिन के समय धूप का पूरा फायदा उठाने में लगे हुए हैं। दिसंबर की दस्तक के साथ ही मथुरा में सर्दी अपने रंग दिखाने लगी है, और गुनगुनी धूप लोगों के लिए राहत का बड़ा सहारा बन रही है।

नगर निगम ने कराया पहली बार विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन

पहलवानों ने दिखाया असली दम

नगर निगम के कुश्ती दंगल में पहलवान मल्ल विद्या का प्रदर्शन करते हुए। विजेता पहलवान को मोटरसाइकिल की चाबी सौंपते महापौर विनोद अग्रवाल, नगर आयुक्त जगप्रवेश एवं अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण की पावन भूमि में जहाँ प्राचीन काल से ही मल्लविद्या, अखाड़ों और दंगल की गौरवशाली परंपरा सदियों से माना जाता था। उसी ऐतिहासिक विरासत को नई ऊर्जा मथुरा–वृंदावन नगर निगम द्वारा शुक्रवार को पहली बार विशाल कुश्ती महाकुंभ का आयोजन किशोरी रमण इंटर कॉलेज के प्रांगण में किया गया। दंगल का शुभारंभ माहापौर विनोद अग्रवाल व नगर आयुक्त जग प्रवेश ने पहलवानों का हाथ मिलाकर किया। कुश्ती दंगल में ईरान,दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न प्रांतों से आए पहलवानों ने अपनी मल्लविद्या दिखाई। कुश्ती 100 रुपये से लेकर डेढ़ लाख रुपये तक की कुश्ती कराई गई। इस मल्लविद्या को देख दर्शकों ने तालियों से पहलवानों का स्वागत किया। इस मौके पर महापौर पहलवानों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज जो नगर निगम के द्वारा यह कार्यक्रम किया है उसने पुरानी यादों को ताजा कर दिया। वहीं नगर आयुक्त ने कहा कि जो पहलवानों ने अपने-अपने दांव पेंच दिखाए है,यह तो भगवान योगीराज की नगरी में सदियों से यह चल आ रहा है। इस मौके पर दंगल संयोजक हनुमान पहलवान उ.प्र. बृज केसरी, पहलवान शेरा गुर्जर आदि मौजूद रहे।

किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छापा

पांच छात्राओं से मोबाइल, एक इयरबड्स बरामद

शिक्षा संवाददाता

किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय परीक्षा केंद्र के अंदर छात्राओं से बरामद मोबाइल।

यूनिक समय, मथुरा। डॉ. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय की किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चल रही विषम सेमेस्टर की परीक्षा सत्र 2025-26 में प्रथम पाली की वनस्पति विज्ञान विषय के थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा में छापा मारा गया।

वरिष्ठ अधीक्षक परीक्षा प्रो शालिनी सक्सेना, सहायक अधीक्षक प्रो अनिल सक्सेना, डॉ अजय उपाध्याय एवं कॉलेज सचल दल (जिला समन्वयक, उड़ाका दल, विश्वविद्यालय) डॉ अशोक कुमार कौशिक ने परीक्षा कक्षों में सघन तलाशी के दौरान पांच छात्राओं से पांच मोबाइल एवं एक इयरबड्स बरामद किये।

इन सभी पांचों छात्राओं के खिलाफ यू एफ एम की कार्रवाई करते हुए विश्वविद्यालय को सूचित कर दिया गया है।

राया पुलिस ने पकड़े दो सटोरिये

यूनिक समय, मथुरा। राया पुलिस ने अलग–अलग स्थानों पर सट्टे की खाई बाड़ी करते हुए पुलिस ने पठानपाड़ा निवासी मुन्ना को गौंगा रोड तिराहे के समीप से गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 950 रुपये बरामद किए हैं। इसी तरह पुलिस ने मौहल्ला व्यापारियान निवासी अफसर को चामुंडा वाले खाली प्लाट के समीप से सट्टा करते हुए गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1200 रुपये नकद और पर्चा सट्टा बरामद किया है।

850 ग्राम अवैध गांजे के साथ एक युवक गिरफ्तार

यूनिक समय मथुरा। थाना राया पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 850 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने एक सूचना के आधार पर राया सादाबाद रोड स्थित शिव मंदिर के समीप अभियुक्त पप्पू निवासी गांव सूरज ढकू को 850 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है।

भारी सुरक्षा के बीच मथुरा में पढ़ी गई शुक्रवार की नमाज

शुक्रवार को नमाज के लिए ईदगाह मस्जिद में जाते मुस्लिम समाज के लोगों के आधार कार्ड चेक करती पुलिस।

कार्यालय संवाददाता

पुलिस का रहा कड़ा इंतजाम

ईदगाह में जाते नमाजियों को पुलिस ने किया चेक

यूनिक समय, मथुरा। छह दिसंबर से पहले आज शहर में शुक्रवार को होने वाली नमाज को लेकर पुलिस ने भारी सुरक्षा इतंजाम किए। पुलिस ने ईदगाह में होने वाली नमाज के लिए आने वाले नमाजियों के आधार कार्ड भी चेक किए। छह दिसंबर को जहां हिंदूवादी संगठनों को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मूड पर है। वहीं आज होने वाली नमाज को लेकर भी पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सतर्क नजर आया। एसएसपी श्लोक कुमार ने शहर में जुमे की नमाज के मद्देनजर सभी थाना प्रभारियों को अपने इलाके में चौकसी बरतने के साथ–साथ मस्जिदों के आस–पास पुलिस कर्मियों को तैनात करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही शहर की चौक बाजार की जामा मस्जिद और ईदगाह पर पुलिस की खासी नजर रही। ईदगाह में नमाज को आने वाले नमाजियों को मस्जिद में प्रवेश से पहले उनका आधार कार्ड चेक करने के बाद ही मस्जिद में प्रवेश दिया गया। इस तरह शुक्रवार की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

राजीव एकेडमी के नौ विद्यार्थियों का बजाज जनरल इंश्योरेंस में चयन

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट के एमबीए, बीबीए और बी.ईकॉम के नौ छात्र–छात्राओं ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से प्रतिष्ठित बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड में चयनित होकर उच्च पैकेज पर सेवा का अवसर प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने अपने संचार कौशल, व्यावसायिक समझ और तैयारी को मुख्य कारण बताया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रमुख डॉ. विकास जैन ने बताया कि हाल ही में आयोजित कैम्पस ड्राइव में विद्यार्थियों ने एप्टीट्यूड टेस्ट, ग्रुप डिस्कशन और पर्सनल इंटरव्यू जैसे विभिन्न चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। चयन प्रक्रिया के दौरान कम्पनी प्रतिनिधियों ने पंकज कुमार (एम.बी.ए.), तमन्ना खान (एम.बी.ए.), आयशा हसन (बी.बी.ए.), लक्ष्मी शर्मा (बी.बी.ए.), मोनू शर्मा (बी.बी.ए.), सौरभ शर्मा (बी.बी.ए.), शांकी भदौरिया (बी.बी.ए.), अभिषेक शर्मा (बी.ईकॉम) और लोकेश शर्मा (बी.ईकॉम) की विश्लेषण क्षमता और समस्या–समाधान कौशल की सराहना की।

कैम्पस ड्राइव में विद्यार्थियों को बजाज जनरल इंश्योरेंस की कार्यप्रणाली से अवगत कराते अधिकारी, दूसरे चित्र में छात्रा का साक्षात्कार लेते कम्पनी प्रतिनिधि।

डॉ. विकास जैन ने कहा कि राजीव एकेडमी न केवल अकादमिक ज्ञान प्रदान करती है, बल्कि नियमित प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, इंडस्ट्री विजिट और करियर गाइडेंस सेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को वास्तविक कॉर्पोरेट चुनौतियों के लिए तैयार करती है। बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड, भारत की प्रमुख निजी बीमा कंपनियों में से एक, मोटर, स्वास्थ्य, गृह बीमा के साथ साइबर, इवेंट और ग्रामीण बीमा जैसी नई सेवाओं में भी अग्रणी है।

आर.के. एज्यूकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल और निदेशक डॉ. अभिषेक सिंह भदौरिया ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी। डॉ. अभिषेक सिंह भदौरिया ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, संकल्प और सही दिशा में किए गए प्रयासों का परिणाम है। छात्र–छात्राओं ने कहा कि संस्थान में आयोजित मॉक इंटरव्यू, गेस्ट लेक्चर, इंडस्ट्री विजिट और स्किल डेवलपमेंट सत्रों से उन्हें तैयारी में मदद मिली और करियर को नई दिशा मिली।

40 से ज्यादा उम्र वाले व्यक्ति ऐसे रखें अपने आप को स्वस्थ

यूनिक समय, नई दिल्ली। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारे शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं, अगर हम अपनी उचित देखभाल नहीं करते हैं तो स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं हो सकती हैं। यही कारण है कि 40 साल से ऊपर के लोगों के लिए स्वस्थ जीवन शैली की आदतों को अपनाना महत्वपूर्ण है।

उम्र बढ़ने के साथ पाचन संबंधी समस्याएं, शिथिल जीवन शैली, नींद न आना जैसी कई समस्याएं होने लगती है। इसलिए, यह सलाह दी जाती है कि 40 के उम्र को पार करते ही जीवन शैली से जुड़ी समस्याओं को ठीक करके एक हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनाना चाहिए। तो आइए हम बताते हैं कि 40 साल से ऊपर के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए जीवनशैली से जुड़े किन नियमों का पालन करना चाहिए।

पर्याप्त नींद लें: अच्छी नींद संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है और 40 वर्ष से ऊपर के लोगों को इसे प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। नींद शरीर की मरम्मत और बहाली प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण है, और यह एक स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली, संज्ञानात्मक कार्य और मनोदशा को बनाए रखने में मदद करती है। हर रात सात से आठ घंटे सोएं और हर दिन एक ही समय पर बिस्तर पर जाकर नियमित नींद लें।

स्वस्थ आहार बनाए रखें: अच्छे स्वास्थ्य के लिए एक पौष्टिक आहार महत्वपूर्ण है, और 40 वर्ष से ऊपर के लोगों को पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करने को प्राथमिकता देनी चाहिए जो पर्याप्त ऊर्जा प्रदान करते हैं और स्वस्थ उम्र बढ़ने को बढ़ावा देते हैं।

फलों, सब्जियों, लीन प्रोटीन, साबुत अनाज और स्वस्थ वसा जैसे नट्स, सीड्स और एवोकाडो से भरपूर आहार का सेवन करें। इसके अतिरिक्त, प्रोसेस्ड फूड, मीठा पेय और अनहेल्दी फैट का सेवन सीमित करें व सक्रिय रहें।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नियमित व्यायाम आवश्यक है और यह उम्र बढ़ने के साथ और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। व्यायाम हृदय रोग, मधुमेह और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद करता है। यह बेहतर मूड और संज्ञानात्मक कार्य को भी बढ़ावा देता है। हर हफ्ते कम से कम 150 मिनट की मध्यम-तीव्रता वाले व्यायाम जरूर करें।

तनाव को मैनेज करें: तनाव का स्वास्थ्य पर खराब प्रभाव पड़ता है, इसलिए 40 साल से ऊपर के लोगों को तनाव को मैनेज करने पर ध्यान देना चाहिए।

तनाव के स्तर को कम करने के लिए योग, ध्यान या गहरी सांस लेने के व्यायाम जैसी गतिविधियों को जीवनशैली में शामिल करें। इसके अलावा मनपसंद एक्टिविटी के साथ सामाजिक गतिविधियों को प्राथमिकता दें जैसे कि प्रियजनों के साथ समय बिताना, काम से ब्रेक लेना और एंटरटेनमेंट के लिए समय निकलना।

हाइड्रेटेड रहें: अच्छे स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त पानी पीना महत्वपूर्ण है। 40 साल से ऊपर के लोगों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि वे पर्याप्त रूप से हाइड्रेटेड रहें। हर दिन कम से कम आठ से 10 गिलास पानी पीने का लक्ष्य रखें, शुगर के भरपूर पेय और अत्यधिक कैफीन के सेवन से बचना चाहिए, इससे डिहाइड्रेशन हो सकता है।

नियमित जांच करवाएं: अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए नियमित जांच महत्वपूर्ण हैं। 40 साल से ऊपर के लोगों को सालाना बॉडी की जांच और नियमित स्वास्थ्य जांच को प्राथमिकता देनी चाहिए। यह संभावित स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को जल्दी पहचानने में मदद कर सकता है। जांच में किसी भी बीमारी के शुरुआती लक्षण को जानकर उसका निदान पहले ही किया जा सकता है। साथ ही, अधिक गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को रोका जा सकता है।

धूम्रपान छोड़ दें: धूम्रपान कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम का कारक है इसलिए, 40 से ऊपर के लोगों को धूम्रपान करना छोड़ देना चाहिए। धूम्रपान से हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी, कैंसर और कई अन्य स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं का खतरा बढ़ जाता है और धूम्रपान छोड़ने से इन स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को काफी कम किया जा सकता है।

40 वर्ष से ऊपर के लोगों के लिए अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए स्वस्थ जीवन शैली को अपनाना महत्वपूर्ण है। नींद को प्राथमिकता देना, एक स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम, तनाव कम करना, हाइड्रेट रहना, नियमित जांच-पड़ताल और धूम्रपान छोड़ने से स्वास्थ्य में काफी सुधार हो सकता है।

बच गई हैं रोटियां तो न हों परेशान

झटपट तैयार करें रोटी समोसा

यूनिक समय, नई दिल्ली। हर भारतीय घर में लंच और डिनर में रोटी खाना ही पसंद किया जाता है। ये खाने में जितनी सिंपल होती है, उतनी ही पौष्टिक होती है। गर्मागर्म रोटियां खाना हर किसी को पसंद होता है। पर, कई बार ऐसा होता है कि जब आप रोटी बना कर रखती हैं तो वो बच जाती हैं। ऐसे में इसे फेंकने का मन भी नहीं करता। इसी के चलते आपकी इस परेशानी का हल आज हम आपको बताने जा रहे हैं।

दरअसल, आज हम आपको बची हुई रोटियों से टेस्टी समोसे बनाना सिखाएंगे।

समोसे खाना लगभग हर किसी को पसंद होता है। कई बार ऐसा देखा जाता है कि, मैदे के समोसे लोग नहीं खाते क्योंकि मैदा शरीर को नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में आप बची हुई रोटी से जब समोसे बनाएंगे तो ये खाने में भी काफी टेस्टी लगेंगे और इसे खाने से ज्यादा नुकसान भी नहीं होगा। तो आइए देर ना करते हुए आपको बची हुई रोटियों से समोसे बनाना सिखाते हैं।

सामग्री- रोटीः 4, आलू उबले: 2-3, बेसन : 3 टी कप, हरी मिर्च कटी : 2, लाल मिर्च पाउडर : 1/2 टी स्पून, गरम मसाला : 1/2 टी स्पून, कलौंजी : 1/2 टी स्पून, हरी धनिया पत्ती 2-3 टेबलस्पून, तेल : तलने के लिए, नमक : स्वादानुसार।

विधि- रोटी के समोसा बनाने के लिए सबसे पहले आप आलू उबाल कर इन्हें ठंडा कर लें। अब इसका छिलका उतार करके अच्छी तरह से मैश कर लें।

इसके बाद एक कड़ाही में तेल डाल कर उसमें कलौंजी और हरी मिर्च डालकर कुछ सेकेंड भूनें। इसके बाद मसला हुआ आलू कड़ाही में डालें और उसे चम्मच की मदद से चलाते हुए फ्राई करें। इसे कुछ मिनट तक अच्छे से भूनें। इसके बाद अब इसमें सभी मसाले और नमक डाल कर अच्छे से मिला लें। जब ये तैयार हो जाए तो इसके ऊपर धनिए की पत्तियां डालें। अब इसे अलग रख कर ठंडा कर लें।

समोसे को चिपकाने के लिए बेसन का गाढ़ा घोल तैयार करें। इसके बाद रोटी को बीच से काट लें।

अब एक टुकड़ा लेकर इसका कोन बनाएं और इसमें आलू की फिलिंग भरें। लास्ट में इसे समोसे का आकार देकर बेसन के घोल की मदद से चिपका दें। अब एक कड़ाही तेल गर्म करके उसमें रोटी समोसा को डालकर डीप फ्राई करें। इसे चटनी के साथ गर्मागर्म ही परोसें।

खाना खाने के बाद क्यों खाना चाहिए गुड़

यूनिक समय, नई दिल्ली। हमारे देश में गुड़ को प्राकृतिक मिठाई के रूप में पहचान मिली हुई है। गुड़ न सिर्फ स्वाद में अच्छा होता है बल्कि ये हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

सर्दियों में गुड़ खाने से जुकाम और कफ की समस्या नहीं होती है। साथ ही गुड़ खाने से शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ती है। प्रतिदिन खाना खाने के बाद गुड़ का एक टुकड़ा खाने से हमारा पाचन तंत्र भी अच्छे से काम करता है, और यह हमारे बढ़ते वजन को नियंत्रित करने में भी बहुत सहयोगी है। तो चलिए जानते है कि गुड़ खाने से और कौन से लाभ होते हैं।

ब्लड प्रेशर करे नियंत्रित- गुड़ खाने के बहुत से फायदों में से एक फायदा यह भी है कि गुड़ हमारे ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखता है। हाई ब्लड प्रेशर वालों के लिए तो गुड़ का सेवन करना अमृत के सामान माना जाता है गुड़ में मौजूद पोषक तत्व शरीर का स्टैमिना बढ़ाने के साथ ही हमें एक्टिव भी रखते हैं।

आप चाहें तो गुड़ को सीधे ही खा सकते है और यदि आपको

फायदे जानकर रह जाएंगे हैरान

गुड़ ज्यादा पसंद नहीं है तो आप गुड़, नींबू का रस और काला नमक मिला कर इसका सेवन कर सकते हैं।

आंखों की कमजोरी में फायदेमंद- जिन लोगों को आंखों की रोशनी से सम्बंधित समस्याएं होती है उनके लिए गुड़ खाना बहुत लाभकारी है। यह आंखों की कमजोरी को दूर कर आंखों की रोशनी को बढ़ाने में कारगर है।

हड्डियों को बनाए मजबूत- गुड़में कई प्रकार के पोषक तत्वों के साथ ही कैल्शियम और फास्फोरस भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो हमारी हड्डियों को मजबूती देता है। खासकर बढ़ती उम्र के बच्चों की हड्डियों में मजबूती के लिए गुड़ खाना बेहद जरूरी है।

स्ट्रेच मार्क्स से छुटकारा दिला सकते हैं ये घरेलू नुस्खे

यूनिक समय, नई दिल्ली। आमतौर पर ये देखा जाता है कि जब भी कोई महिला गर्भवती होती है तो उसके शरीर में कई बदलाव होते हैं। इसके साथ ही जब बच्चे का जन्म होता है तो उसके बाद भी काफी चीजें बदलती हैं। इसमें सबसे अहम होता है महिला का वजन कम होना। गर्भवती महिला का पेट बड़ा हो जाता है और जब डिलीवरी के बाद वो वापस अपनी शेप लेता है तो पेट पर स्ट्रेच मार्क्स आ जाते हैं। जो देखने में बेहद अजीब लगते हैं। ये परेशानी सिर्फ महिलाओं के सामने नहीं आती, बल्कि वजन कम होने के बाद पुरुषों में भी स्ट्रेच मार्क्स की समस्या देखी जाती है। ऐसे में इससे छुटकारा पाने के लिए लोग कई तरह की दवाई खाते हैं, क्रीम लगाते हैं, जिसमें हजारों रुपये खर्च हो जाते हैं। आज के लेख में हम आपको स्ट्रेच मार्क्स मिटाने के कुछ घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप बिना ज्यादा पैसे खर्च किए इससे छुटकारा पा सकते हैं।

स्किन से जुड़ी सभी समस्याओं के लिए एलोवेरा काफी फायदेमंद होता है। एलोवेरा में एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं जो स्ट्रेच मार्क्स कम करने में सहायक होंगे। अगर आप रोज स्ट्रेच मार्क्स पर एलोवेरा लगाएंगे तो जल्द ही इसका असर आपको दिखने लगेगा।

अंडे और विटामिन ई कैप्सूल का मिश्रण स्ट्रेच मार्क्स हटाने में काफी फायदेमंद बताया जाता है। इसके लिए अंडे के सफेद भाग का ही इस्तेमाल करना होता है। इन दोनों को बराबर मात्रा में मिलाकर आप स्ट्रेच मार्क्स पर नियमित रूप से लगाएं। कुछ ही समय में इसका असर दिखने लगेगा।

क्या आपको भी है बिना प्यास के पानी पीने की आदत

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंसान के शरीर का आधा हिस्सा पानी से बना हुआ है। यही वजह है कि डॉक्टर हमेशा ज्यादा से ज्यादा पानी पीने के लिए कहते हैं। यही वजह है कि हमें प्यास लगती है। पानी पीने से हमारे शरीर का टेंपरेचर कंट्रोल में रहता है और डिहाइड्रेशन की दिक्कत भी नहीं होती है। हमेशा डाइटिशियन या हेल्थ एक्सपर्ट यह सलाह देते हैं कि पूरे दिन में तीन लीटर पानी पीना ही चाहिए। हालांकि इस बात का भी ख्याल रखना चाहिए कि ज्यादा पानी पीने से आपकी सेहत को नुकसान भी पहुंच सकता है। इसलिए सतर्क रहना भी जरूरी है।

डाइटीशियन आयुषी यादव के मुताबिक हमारे ब्रेन में एक थ्रस्ट सेंटर है। जो शरीर में पानी की कमी होने पर सिग्नल देता है। आपके शरीर को जब फील होता है कि प्यास लगी है उस वक्त पेपटाइड का सिक्रिशन होता है जिससे थ्रस्ट सेंटर को सिग्नल मिल जाता है कि अब पानी पीने की जरूरत है। प्यास लगने पर पानी पीना नॉर्मल है। लेकिन अगर बिना प्यास के भी आप पानी पीते हैं तो यह साइकोजेनिक पॉलीडिप्सिया जैसी गंभीर बीमारी के तरफ इशारा करती है। इसकी वजह से बॉडी में फ्लूइड लेवल बढ़ जाता है। जो हेल्थ के लिए एकदम ठीक नहीं है।

सुविचार

"अपने डर को चुनौती दो, तभी सफलता मिलेगी।"

कल का पंचांग

तिथि	द्वितीया	12:55-09:25 तक	पक्ष	पौष पक्ष
नक्षत्र	आद्रा	08:48-06:13 तक	माह	मार्गशीर्ष
सूर्योदय		7:00 AM	चन्द्रोदय	06:45 PM
सूर्यास्त		5:20 PM	चंद्रास्त	09:27 AM
सूर्य राशि		वृश्चिक राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त	11:49AM-12:30 PM		ब्रहम् मुहूर्त	04:35-05:23
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल	09:35AM -10:52AM		वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

दुनिया के अमीर व्यक्ति एलन मस्क का भी यही है मूलांक

मूलांक 1 : किस्मत, धन और नेतृत्व का अद्भुत सूर्य अंक

यूनिक समय, मथुरा। अंकों की दुनिया यानी न्यूमरोलॉजी में मूलांक 1 को सबसे प्रभावशाली और शक्तिशाली अंकों में से एक माना जाता है। यह अंक सूर्य का प्रतिनिधि है और सूर्य को ग्रहों का राजा कहा जाता है। इसलिए मूलांक 1 वाले लोग जन्म से ही एक अलग आभा, तेज और नेतृत्व क्षमता लेकर पैदा होते हैं। जिन लोगों का जन्म किसी भी महीने की 1, 10, 19 या 28 तारीख को होता है, उनका मूलांक 1 माना जाता है। यह अंक धन, सफलता, प्रतिष्ठा, ऐश्वर्य और अधिकार प्रदान करने के लिए प्रसिद्ध है। दुनिया के कई प्रभावशाली और अमीर व्यक्तियों में मूलांक 1 की ही

ऊर्जा देखने को मिलती है। एलन मस्क, मुकेश अंबानी और नीता अंबानी जैसे दिग्गजों का मूलांक भी 1 है। यही कारण है कि मूलांक 1 को किस्मत का बादशाह कहा जाता है–क्योंकि इस नंबर की यात्रा चुनौतियों से भले ही भरी रही हो, लेकिन अंत में सफलता इनके कदम चूमती है। मूलांक 1 वाले लोग जिंदगी में किसी भी मुकाम तक पहुंच सकते हैं, क्योंकि इनमें जन्मजात नेतृत्व क्षमता, दृढ़ इच्छाशक्ति और असाधारण आत्मविश्वास होता है। ये लोग चाहे कितनी बार असफल हों, हर बार पहले से अधिक मजबूती के साथ वापसी करते हैं। सूर्य की तरह इनका व्यक्तित्व भी प्रभावशाली होता है और ये जहां भी जाते हैं, अपनी अलग पहचान बना लेते हैं। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की दूरदर्शिता, मुकेश अंबानी की व्यावसायिक समझ और नीता अंबानी का नेतृत्व–सभी में मूलांक 1 के गुण चमकते हुए नजर आते हैं। यह अंक न सिर्फ धन देता है, बल्कि प्रतिष्ठा और शक्ति भी प्रदान करता है।

जन्मजात लीडर: ये लोग किसी टीम या संस्था को नेतृत्व देने की क्षमता रखते हैं। इनमें आदेश देने और दूसरों को प्रेरित करने का प्राकृतिक गुण होता है।

आत्मविश्वासी और दृढ़निश्चयी: मूलांक 1 वाले अपने निर्णयों पर अडिग रहते हैं। जो लक्ष्य तय करते हैं, उसे हर हाल में प्राप्त करते हैं।

नवोन्मेषी सोच: इनकी सोच सामान्य लोगों से अलग होती है। ये नए विचार लाने वाले, जोखिम लेने वाले और बदलाव को स्वीकार करने वाले होते हैं।

बड़ी सोच और बड़ी सफलता: ये लोग छोटी सोच नहीं रखते। इनका लक्ष्य हमेशा बड़ा होता है और उसी को हासिल करने के लिए बड़ी मेहनत करते हैं।

प्रभावशाली व्यक्तित्व: इनके आत्मविश्वास, व्यवहार और सोच से लोग प्रभावित होते हैं और इनके आसपास रहना पसंद करते हैं।

कभी हार न मानने वाले: कठिन परिस्थितियों में भी ये लोग मानसिक रूप से मजबूत बने रहते हैं। संघर्ष इनके लिए सीढ़ी की तरह होता है, जो इन्हें उंचाइयों तक पहुंचाता है।

मूलांक 1 वाले जहाँ भी जाते हैं, सफलता उनका साथ देती है। सूर्य की तरह चमकने वाला यह मूलांक जीवन को अवसरों, उपलब्धियों और नेतृत्व से भर देता है। यही कारण है कि इसे माना जाता है–किस्मत का बादशाह।

19 दिसंबर की पौष अमावस्या

पितरों की कृपा पाने का शुभ दिन

यूनिक समय, मथुरा। पौष माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि इस वर्ष 19 दिसंबर 2025, शुक्रवार को पड़ रही है। यह तिथि पितृ तर्पण, स्नान, दान और शुभ कर्मों के लिए अत्यंत शुभ मानी जाती है। कहा जाता है कि इस दिन किया गया तर्पण और दान पितरों को प्रसन्न करता है और पितृदोष से मुक्ति दिलाता है। पंचांग के अनुसार पौष अमावस्या तिथि 19 दिसंबर की सुबह 4 बजकर 59 मिनट से शुरू होकर 20 दिसंबर की सुबह 7 बजकर 12 मिनट तक रहेगी। उदयातिथि के आधार पर पर्व 19 दिसंबर, शुक्रवार को ही मनाया जाएगा।

ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 19 मिनट से 6 बजकर 14 मिनट तक रहेगा। इस दौरान स्नान और दान का विशेष पुण्य प्राप्त होता है। ब्रह्म मुहूर्त न मिलने पर सूर्योदय के बाद भी स्नान–दान किया जा सकता है। स्नान के बाद अन्न, वस्त्र, तिल, कंबल आदि का दान करना शुभ माना जाता है।

योग और नक्षत्र भी इस दिन विशेष फल प्रदान करने वाले माने जाते हैं। पौष अमावस्या के दिन शूल योग दोपहर 3 बजकर 47 मिनट तक रहेगा, उसके बाद गण्ड योग शुरू होगा। ज्येष्ठा नक्षत्र रात 10 बजकर 51 मिनट तक रहेगा, उसके बाद मूल नक्षत्र प्रारंभ होगा।

अमावस्या के दिन पितरों के पृथ्वी पर आने की मान्यता है। इसलिए स्नान के बाद तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध अत्यंत शुभ माने जाते हैं। पितरों को प्रसन्न करने का सर्वश्रेष्ठ समय दोपहर 11 बजकर 30 मिनट से 2 बजकर 30 मिनट तक माना गया है। इस काल में किए गए तर्पण और दान से पितृदोष शांत होता है और घर–परिवार में सुख–समृद्धि बढ़ती है।

दिन के शुभ मुहूर्त इस प्रकार हैं

लाभ–उन्नति का शुभ समय सुबह 8 बजकर 26 मिनट से 9 बजकर 43 मिनट तक रहेगा।
अमृत का उत्तम समय सुबह 9 बजकर 43 मिनट से 11 बजकर 1 मिनट तक रहेगा।
अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11 बजकर 58 मिनट से 12 बजकर 39 मिनट तक रहेगा।
राहुकाल दोपहर 11 बजकर 1 मिनट से 12 बजकर 18 मिनट तक रहेगा, इस दौरान शुभ कार्य वर्जित हैं।

घर में सुख समृद्धि लाने के लिए करें अचूक उपाय

यूनिक समय, मथुरा। जानी मानी एस्ट्रोलॉजर और वास्तु एक्सपर्ट जय मदान अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर रोज जीवन में सकारात्मकता कैसे लाई जाए, उससे जुड़े मोटिवेशनल वीडियो साझा करती रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने घर में सुख समृद्धि कैसे बनी रहे एक अचूक वास्तु उपाय बताया है, जिसके बारे में हम लेख में आपको बताने जा रहे हैं ताकि आप भी उन्हें फॉलो कर सकें। जय मदान कहती हैं कि रसोई ऐसी जगह होती हैं जहां से समृद्धि की शुरुआत होती है।

इसलिए जब आप सुबह उठते हैं तो किचन में कुछ भी पकाने से पहले गैस स्टोव के सारे बर्नर को 30 से 40 सेकेंड के लिए जलाकर रखें।

फिर उसके सामने 10 सेकेंड हाथ जोड़कर आंख बंदकर देवी देवताओं का ध्यान करते हुए उनसे प्रार्थना करें कि हमेशा उनका आशीर्वाद घर परिवार में बना रहे और जीवन सुख–समृद्धि से परिपूर्ण रहे। मदान कहती हैं रोज आप अगर ये एक काम किचन में खाना बनाने से पहले कर लिया जाए तो आपको खुद ब खुद बदलाव महसूस होने लगेगा। ये तो बात हो गई जय मदान के बताए गए वास्तु टिप्स की अब आपको हम कुछ और भी किचन से जुड़े टिप्स बता देते हैं जिन्हें अपनाने से नकारात्मकता दूर होती है। सबसे पहली बात तो रात में किचन साफ करके ही सोएं। ऐसा करने से सकारात्मकता बनी रहती है। रात में सिंक में जूठा बर्तन बिल्कुल न छोड़ें। अगर खाना बच गया है तो उसे ढ़ककर ही सोएं।

नि:स्वार्थ कुछ देते रहने का पाठ प्रकृति हर पल सिखाती है

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रकृति में जीवन से जुड़े हर पहलू को लेकर कोई न कोई सीख मिलती है। कुदरत का कण–कण इंसान को नसीहतें देता है। निःस्वार्थ कुछ देते रहने का पाठ प्रकृति हर पल सिखाती है। दान, परोपकार और सह–अस्तित्व की सोच को पोसने वाले पर्व मकर संक्रांति पर प्रकृति के कई रंग हमें मानवीय मूल्यों की ओर बढ़ने की राह सुझाते हैं। इंसानी भाव–चाव को हर परिस्थिति में किसी का मददगार बनने की दिशा दिखाते हैं। गौर करने वाली बात है कि प्रकृति अपने पास अतिरिक्त कुछ भी नहीं रखती है। बनाने–जुटाने के फेर में फंसे इंसानों के लिए यह कुदरत का सुंदर सबक है–

समंदर का दाता रूप: सब कुछ जुटा लेने की जद्दोजहद में जीवन गुजार देने वाले इंसानों को समुद्र की उदारता भी बहुत कुछ सिखाती है। अनमोल रत्न हों या अपनी अथाह जल राशि को जीविका जुटाने और यात्रा करने का माध्यम बनाने की छूट। समुद्र का विशाल हृदय मानो न्योता देता है कि मेरे भीतर गोते लगाओ और अपनी जरूरत का सामान ले लो। अनगिनत जीवों को अपने आंगन में जगह देने वाला समुद्र, स्वभाव की विशालता की सीख देता है।

स्वास्थ्य सहेजती धूप: यह पर्व पूरी सृष्टि के लिए ऊर्जा के स्त्रोत सूर्य की आराधना का उत्सव है। वैज्ञानिक साबित कर चुके हैं कि सूर्य की किरणों का सीधे शरीर के संपर्क में आना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

धूप में बैठने से शरीर को विटामिन डी मिलता है। बहुत से कीटाणु खत्म होते हैं। मन का अवसाद भी दूर होता है। नींद अच्छी आती है। ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। जिससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। सोचिए कि अनमोल धन कहे जाने वाले स्वास्थ्य को सहेजने के लिए सूर्य कितना कुछ देता है।

अपनी किरणों के माध्यम से बेहतर जीवन का उजास और ऊर्जा हमारी झोली में डालता है। सूर्य की उपासना का यह पर्व भी यही सिखाता है कि हमें भी देना सीखना चाहिए।

पालती–पोसती नदियां: मकर संक्रांति के पर्व पर नदियों में स्नान का विशेष महत्त्व है। जीवन रेखा कही जाने वाली नदियां भी जनकल्याण का भाव अच्छे से सिखाती हैं।

नदियां तो लालन–पालन करने वाली मां मानी जाती हैं। इनके किनारे अन्न उपजाने की बात हो या आज के सुविधासंपन्न को गति देती बिजली बनाने का पहलू। इंसान से कुछ ना लेने वाली नदियां, इस प्रकृति का सबसे सुंदर हिस्सा बन हमारे अस्तित्व को पोसती हैं।

जीवनदायी कुदरत: प्रकृति का हरापन इंसानों की जिंदगी के लिए सबसे जरूरी है। जिस प्राण वायु के बिना हमारा जीवन ही संभव नहीं वह कुदरत बिना किसी मोल के भरपूर देती है।

पीपल जैसे पेड़ तो रात के समय भी ऑक्सीजन देते हैं। दिन–रात मानवीय जीवन को सांसों की सौगात देने में जुटी प्रकृति का पत्ता–पत्ता इंसानों को एक दूजे के संरक्षण और सुरक्षा की निस्वार्थ सोच रखने का सबक देता है। प्रकृति का यह पालनहारी रूप मानवीय मन को सब कुछ साझा करने का पाठ पढ़ाता है।

सम्पादकीय

जमीन खरीदी-बिक्री की नई गाइडलाइन पर पुनर्विचार जरूरी

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 20 नवंबर से लागू की गई नई जमीन गाइडलाइन ने पूरे राज्य में हलचल मचा दी है। सरकार का दावा है कि बीते वर्षों में जमीन के बाजार मूल्य और सरकारी गाइडलाइन दरों में बढ़ती असमानता को दूर करने के लिए यह कदम आवश्यक था। सरकारी तर्क यह भी है कि जमीन की प्रति वर्गमीटर और हेक्टेयर दरों को व्यावहारिक बनाकर राजस्व व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया जाए। लेकिन जिस तरीके से गाइडलाइन लागू हुई है, उसने आम लोगों पर भारी आर्थिक बोझ डाल दिया है।

पवन गौतम
संपादक

नए नियमों के अनुसार कई जिलों में जमीन की गाइडलाइन दरें दोगुनी हो गईं, जबकि कुछ क्षेत्रों में यह बढ़ोतरी 700 से 800 फीसदी के बीच पहुँची है। यह बढ़ोतरी इतनी अधिक है कि कई जगहों पर जमीन की बाजार कीमत जितनी है, रजिस्ट्री की कीमत भी लगभग उतनी ही हो गई है। यानी यदि किसी भूखंड का मूल्य 30 लाख रुपये है, तो उसकी रजिस्ट्री भी लगभग 30 लाख की दर पर हो रही है। इससे जमीन सौदे आम नागरिकों के लिए लगभग असंभव हो गए हैं। इस भारी वृद्धि का स्वाभाविक परिणाम यह हुआ कि पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शनों की बाढ़ आ गई। आम लोग सड़क पर उतर आए हैं, कई जगहों पर पुलिस कार्रवाई भी हुई है। विपक्ष ने इसे तुगलकी निर्णय बताया है। रियल एस्टेट क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि इतनी अधिक दरें असली सौदों को कम कर देंगी और कागजी सौदों को बढ़ावा देंगी। इससे रजिस्ट्री की संख्या घटेगी और सरकार को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ेगा। इसके साथ ही जमीन-जायदाद के सौदों में कालेधन की वापसी का खतरा भी बढ़ जाएगा। स्थिति तब और असहज हो गई जब सत्तारूढ़ दल के ही एक सांसद ने इस गाइडलाइन को अव्यावहारिक बताते हुए सरकार से इसे तत्काल प्रभाव से रोकने की मांग कर दी। यह स्पष्ट संकेत है कि निर्णय में व्यापक सहमति या जनता की नब्ज़ समझने की पर्याप्त तैयारी नहीं की गई। सरकार का उद्देश्य यदि राजस्व बढ़ाना है या जमीन बाजार में पारदर्शिता लाना है, तो उसे ऐसा संतुलित समाधान तलाशना चाहिए जो जनता पर बोझ न डाले। किसी भी नीति का उद्देश्य जनता को राहत देना, व्यवस्था को सरल बनाना और अनियमितताओं को दूर करना होता है। लेकिन मौजूदा गाइडलाइन उलटे बोझिल और अव्यावहारिक साबित हो रही है। अब आवश्यक है कि सरकार विशेषज्ञों, रियल एस्टेट क्षेत्र के प्रतिनिधियों और जनता से संवाद करके इस गाइडलाइन को पुनः परखे। दरों में ऐसे संशोधन किए जाएँ जो व्यावहारिक हों और जमीन खरीद-बिक्री की प्रक्रिया सामान्य रूप से चल सके। जनहित में यह सुधार न केवल जरूरी है, बल्कि समय की मांग भी है। जनता पर अनावश्यक आर्थिक दबाव डालकर नीति का उद्देश्य कभी पूरा नहीं होता। सरकार को अपनी गलती स्वीकारते हुए संशोधित गाइडलाइन तुरंत लागू करनी चाहिए।

नजरिया

एसआईआर पर घमासान: लोकतंत्र की शुचिता का सवाल या वोट बैंक की राजनीति?

ललित गर्ग

भारत में चुनावी पारदर्शिता और मतदाता सूची की विश्वसनीयता को लेकर चल रहा विवाद अब एक बड़े राजनीतिक टकराव में बदल चुका है। विशेष गहन पुनरीक्षण-एसआईआर-जिसका मूल उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाना है, वह अब राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है। सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंच चुका है, विपक्ष सड़कों पर है और सत्ता पक्ष इसे लोकतंत्र मजबूती का कदम बता रहा है। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है-क्या विरोध लोकतांत्रिक अधिकारों की सुरक्षा का है, या फिर वोट बैंक के संभावित नुकसान का?

भारत एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां लोकतंत्र की विश्वसनीयता का सवाल पहले से कहीं अधिक गंभीर हो गया है। मतदाता सूची की सत्यता, चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में मतदाता पहचान का असंदिग्ध होना किसी भी लोकतंत्र की बुनियाद है। इसी दिशा में चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया शुरू की, जिसके माध्यम से मतदाता सूची में मौजूद संदिग्ध, मृत, दोहरे या अवैध प्रविष्टियों की पहचान और सत्यापन किया जा सके। यह एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को सुरक्षित रखने का प्रयास है। लेकिन इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया का स्वागत करने के बजाय कुछ राजनीतिक दलों ने इसे विरोध का मुद्दा बना दिया है। सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत उनकी दलीलों में न तो तथ्य थे, न कोई ठोस उदाहरण। बिहार में एसआईआर के दौरान विपक्ष ने आरोप लगाया था कि विशेष समुदाय के वोट काटे जा रहे हैं, लेकिन न कोई शिकायतकर्ता सामने आया, न कोई ठोस मामला। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि एक भी व्यक्ति अदालत में यह दावा लेकर नहीं आया कि उसका नाम गलत तरीके से हटाया गया है। इसके बावजूद 12 राज्यों में जारी एसआईआर को रोकने का प्रयास जारी है। एसआईआर वाले राज्यों में अब तक लगभग 65 प्रतिशत फार्म भरे जा चुके हैं। इसका अर्थ है कि लोग स्वयं इसमें भाग ले रहे हैं और अपनी पहचान सत्यापित करा रहे हैं। यह लोकतंत्र के प्रति जागरूकता और विश्वास का संकेत है। अगर जनता के स्तर पर इसका इतना व्यापक समर्थन है, तो राजनीतिक विरोध किस आधार पर खड़ा है? दरअसल मतदाता सूचियों में विसंगतियां वर्षों से बड़ा मुद्दा रही हैं। मृत व्यक्तियों के नाम, अन्यत्र जा चुके लोगों का पंजीकरण, दोहरे पहचान पत्र और बाहरी घुसपैठियों की अवैध प्रविष्टियां-ये सब चुनाव परिणामों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगाते रहे हैं। कई सीमा राज्यों में विदेशी घुसपैठियों को न केवल राजनीतिक संरक्षण मिला है, बल्कि उनके लिए वोटर आईडी और अन्य सुविधाएं तक उपलब्ध कराई गई हैं। ऐसी स्थिति में एसआईआर जैसी प्रक्रिया लोकतंत्र की मजबूती के लिए अनिवार्य है।

विरोध के पीछे वास्तविक चिंता कहीं और दिखाई देती है। राजनीतिक दल यह भलीभांति जानते हैं कि मतदाता सूची की शुद्धता से उनका वोट बैंक प्रभावित हो सकता है। जहां अवैध प्रविष्टियों का सहारा वर्षों से मिलता रहा है, वहां सत्यापन उनके लिए जोखिम बन जाता है। इसलिए यह विरोध लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का नहीं, बल्कि राजनीतिक समीकरण के बिगड़ने का भय है। जब प्रक्रिया सबके लिए समान है, सभी राज्यों में लागू है और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो रही है, तो इसे लोकतंत्र विरोधी बताने का आधार ही समाप्त हो जाता है। विपक्ष यह भी कह रहा है कि आधार कार्ड पहचान के लिए पर्याप्त है, लेकिन यह भी सत्य है कि आधार कार्ड फर्जी तरीके से भी बनवाए जा सकते हैं। यही कारण है कि दस्तावेजों का पुनः सत्यापन आवश्यक है। चुनाव आयोग का दायित्व है कि वह हर मतदाता की पहचान सुनिश्चित करे-कौन जीवित है, कौन स्थानांतरित हो गया है, कौन दोहरे पंजीकरण में है या कौन देश का नागरिक ही नहीं। एसआईआर के विरोध का एक और पहलू भी है। कुछ राजनीतिक दल आशंका जता रहे हैं कि यह प्रक्रिया विशेष समुदायों के खिलाफ इस्तेमाल हो सकती है। लेकिन आयोग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि एसआईआर व्यक्ति आधारित सत्यापन है, न कि समुदाय आधारित। हर मतदाता से समान प्रक्रिया के तहत जानकारी मांगी जा रही है। यह वैसे ही है जैसे किसी पहचान पत्र को अपडेट करने या सरकारी लाभ के लिए सत्यापन कराना होता है। क्या इन सारी प्रक्रियाओं को भी राजनीतिक साजिश माना जाना चाहिए? मतदाता सूची में मौजूद त्रुटियां लोकतंत्र की जड़ों में जहर घोलती हैं। एक मृत व्यक्ति का नाम सूची में होने का मतलब है कि कोई उसकी जगह फर्जी मतदान कर सकता है। एक बाहरी घुसपैठिए का नाम दर्ज होना राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक संरचना दोनों के लिए खतरा है। दोहरे पंजीकरण मतदान के मूल सिद्धांत को ही कमजोर करते हैं। यह आश्चर्यजनक है कि जिन दलों ने वर्षों तक चुनाव सुधार की मांग की, वही अब सुधार की किसी भी प्रक्रिया के विरोध में खड़े दिखाई देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि एसआईआर का उद्देश्य मताधिकार छीनना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि मताधिकार का सही उपयोग वही करे जो इसके योग्य और वैध है। आयोग को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी वास्तविक और पात्र मतदाता का नाम सूची से न हटे। इससे प्रक्रिया और भी पारदर्शी और सुरक्षित हो गई है। ऐसे में विरोध के तर्क और भी कमजोर हो जाते हैं। लोकतंत्र की मजबूती उसी समय संभव है जब मतदाता सूची त्रुटिरहित हो, चुनाव प्रक्रिया विश्वसनीय हो और कोई भी राजनीतिक दल अवैध प्रविष्टियों का लाभ न उठा सके। इसलिए एसआईआर जैसे प्रयासों का स्वागत होना चाहिए। विरोध की राजनीति लोकतंत्र को कमजोर करती है, लोकतंत्र की रक्षा नहीं। यह समय सुधारों को रोकने का नहीं, बल्कि उन्हें और मजबूत बनाने का है। भारत को ऐसे साहसिक सुधारों की आवश्यकता है जो राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में काम करें। मतदाता सूची सिर्फ एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के लोकतंत्र की पवित्र नींव है। इसे शुद्ध करना राजनीतिक हित का नहीं, राष्ट्रीय कर्तव्य का विषय है। एसआईआर यदि निष्पक्षता के साथ लागू होती है तो यह भारत के लोकतंत्र को एक नई शक्ति देगी-और यह वही दिशा है जिसमें देश को आगे बढ़ना चाहिए।

विचार विण्डो

भारतीय वैज्ञानिकों ने खोजी 12 अरब प्रकाश वर्ष दूर अलकनंदा गैलेक्सी

महेन्द्र तिवारी

ब्रह्मांड की अथाह गहराइयों में कभीझ्रकभी कोई खोज केवल विज्ञान को आगे नहीं बढ़ाती, बल्कि हमारी समझ, हमारी धारणाओं और हमारी कल्पना-तीनों को एक साथ चुनौती देती है। 12 अरब प्रकाश वर्ष दूर मिली सर्पिल गैलेक्सी 'अलकनंदा' ठीक ऐसी ही खोज है, जिसने न केवल खगोल विज्ञान के मानकों को झकझोरा है, बल्कि भारत की वैज्ञानिक क्षमता को भी वैश्विक मंच पर नई पहचान दी है। पुणे स्थित नेशनल सेंटर फॉर रेडियो एस्ट्रोफिजिक्स (ठउफ्अ) से जुड़े दो भारतीय शोधकर्ताओं-राशी जैन और योगेश वडदेकर-ने नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (खहरळ) की मदद से इस असाधारण गैलेक्सी को पहचानने में सफलता पाई है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि यह बिग बैंग के लगभग डेढ़ अरब वर्ष बाद की है, यानी ब्रह्मांड की वर्तमान आयु के केवल दस प्रतिशत हिस्से में ही यह गैलेक्सी परिपक्वरूप ले चुकी थी।

अलकनंदा की खोज महज़ किसी शक्तिशाली दूरबीन का परिणाम नहीं, बल्कि तकनीक, कल्पना और वैज्ञानिक साहस का अनोखा संगम है। शोधकर्ताओं ने एबेल 2744 नामक गैलेक्सी क्लस्टर के गुरुत्वाकर्षण लेंसिंग प्रभाव का उपयोग किया। यह अद्भुत प्राकृतिक प्रक्रिया दूर की वस्तुओं की रोशनी को मोड़कर और बढ़ाकर टेलीस्कोप तक पहुँचाती है, जैसे ब्रह्मांड स्वयं ही एक विशाल प्राकृतिक दूरबीन का निर्माण कर दे। खहरळ ने 21 अलगझ्रअलग इन्फ्रारेड फिल्टर्स के माध्यम से प्राप्त किए गए डेटा को भारतीय वैज्ञानिकों ने बेहद सटीकता से विश्लेषित किया और एक ऐसी दूरस्थ गैलेक्सी को पहचान लिया, जिसे सामान्य परिस्थितियों में देख पाना लगभग असंभव था। इस खोज ने मानव जिज्ञासा की उस शक्ति को फिर सिद्ध किया है कि यदि खोजने का साहस हो, तो ब्रह्मांड अपना इतिहास स्वयं खोल देता है।

अलकनंदा की खोज का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसकी आश्चर्यजनक रूप से परिपक्व सर्पिल संरचना है। आमतौर पर वैज्ञानिक मानते रहे हैं कि ब्रह्मांड के शुरुआती समय में पदार्थ अत्यधिक अराजक था। गैस और धूल के बादल बहुत अस्थिर थे, जिससे सुव्यवस्थित सर्पिल गैलेक्सियों का निर्माण इतना जल्दी संभव नहीं माना जाता था। लेकिन अलकनंदा इस सोच को चुनौती देती है। इसका व्यास लगभग 30,000 प्रकाश वर्ष है-जो हमारी मिल्की वे से काफ़ी मेल खाता

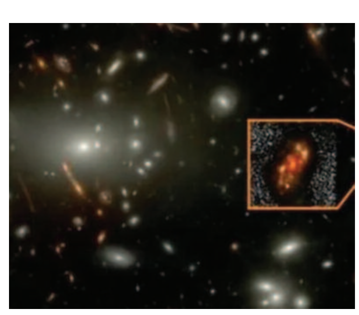

है। इसमें दो प्रमुख सर्पिल भुजाएँ स्पष्ट दिखाई देती हैं।

तारों के निर्माण की गति हमारी आकाशगंगा की तुलना में बीस गुना तेज़ है। यह प्रतिवर्ष लगभग 60 सूर्यों के बराबर द्रव्यमान वाले नए तारे बना रही है। अनुमानों के अनुसार, इसके लगभग आधे तारे केवल 20 करोड़ वर्ष में ही बन गए थे। तारों के निर्माण की यह गति सामान्य परिस्थितियों में असंभव मानी जाती है। यह दर्शाता है कि प्रारंभिक ब्रह्मांड में परिस्थितियाँ कहीं अधिक उग्र, गतिशील और जटिल रही होंगी, जितना वैज्ञानिक अब तक समझते आए थे।

अलकनंदा की परिपक्वता वैज्ञानिक समुदाय के लिए कई नए प्रश्न छोड़ती है। क्या डार्क मैटर पहले से सोचे गए ढंग से अधिक प्रभावशाली था? क्या गुरुत्वाकर्षण प्रक्रियाएँ शुरुआती ब्रह्मांड में कहीं अधिक तीव्र थीं? या हमें गैलेक्सी निर्माण के अपने वर्तमान मॉडल को फिर से परिभाषित करना होगा? यह संभव है कि ब्रह्मांड की पहली पीढ़ी की गैलेक्सियाँ हमारी कल्पना से कहीं अधिक नियमित और सुव्यवस्थित थीं। शायद हम इन्हें इसलिए नहीं देख पाए, क्योंकि हमारे उपकरण अभी तक इतने शक्तिशाली नहीं थे। खहरळ ने यह सीमा तोड़ी है और यह दिखाया है कि ब्रह्मांड का वास्तविक इतिहास शायद हमारे सोच से अलग है।

इस गैलेक्सी को 'अलकनंदा' नाम देना भी एक अनूठा सांस्कृतिक संदेश देता है। हिमालय की पवित्र नदी अलकनंदा-जिसे गंगा की मुख्य धारा माना जाता है-अनवरत प्रवाह, पवित्रता और सृजन का प्रतीक है। अरबों प्रकाश वर्ष दूर यह गैलेक्सी भी अपनी ऊर्जा, संरचना और प्रवाह से ठीक वही भाव व्यक्त करती है। यह नाम याद दिलाता है कि विज्ञान केवल तथ्यों का संग्रह नहीं, बल्कि संस्कृति, संवेदनाओं और पहचान के साथ संवाद भी है।

पिछले एक दशक में भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान में लगातार अपनी क्षमता सिद्ध की है-चंद्रयान, मंगलयान, आदित्यझ्रछ1 जैसे मिशन इसकी मिसाल हैं। मगर वैज्ञानिक प्रतिष्ठा केवल बड़े मिशनों से नहीं बनती; वह उन शोधकर्ताओं से बनती है जो दुनिया के सर्वोत्तम उपकरणों का उपयोग करते हुए ज्ञान की सीमाएँ लगातार विस्तृत करते हैं। अलकनंदा की खोज इसी श्रृंखला का चमकदार अध्याय है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि भारतीय वैज्ञानिक न केवल वैश्विक विज्ञान में सहभागी हैं, बल्कि नई दिशाएँ निर्धारित करने की क्षमता भी रखते हैं।

इस खोज के बाद भारतीय शोधकर्ता एबेल 2744 क्षेत्र के आसपास अन्य प्रारंभिक सर्पिल गैलेक्सियों की तलाश कर रहे हैं। यदि इस तरह की और संरचनाएँ मिलती हैं, तो गैलेक्सी निर्माण का संपूर्ण इतिहास नए सिरे से लिखना पड़ेगा। यदि नहीं मिलतीं, तब भी अलकनंदा एक अद्वितीय अपवाद के रूप में वैज्ञानिक मॉडल में सुधार की माँग करेगी।

बारह अरब प्रकाश वर्ष दूर से चली यह रोशनी आज हम तक पहुँच कर जैसे कहती है कि भविष्य को समझने के लिए कभी-कभी अतीत की तरफ़ झाँकना पड़ता है। अलकनंदा केवल एक गैलेक्सी नहीं, बल्कि ब्रह्मांड की गहरी स्मृति है-जो हमें याद दिलाती है कि ज्ञान की यात्रा अनंत है, और उस यात्रा में भारत अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि एक अग्रणी शक्ति बन रहा है।

पुरुष वर्ग में एक भी भारतीय शामिल नहीं

आईसीसी ने नवंबर के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ नॉमिनेशन किए घोषित

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी ने नवंबर 2025 महीने के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के नॉमिनेटेड खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। इस बार पुरुष वर्ग में किसी भी भारतीय खिलाड़ी को जगह नहीं मिली, जबकि महिला श्रेणी में भारत की ओपनिंग बैटर शेफाली वर्मा एकमात्र भारतीय के रूप में नॉमिनेट हुई हैं। नवंबर का महीना इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए बेहद खास रहा, जिसमें महिला वनडे वर्ल्ड कप का रोमांचक फाइनल भी शामिल था और कई खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से विश्व क्रिकेट में छाप छोड़ी।

महिला वर्ग में नॉमिनेटेड खिलाड़ियों की बात करें तो शेफाली वर्मा का चयन पूरी तरह उनके वर्ल्ड कप फाइनल में दिखाए गए प्रदर्शन के दम पर हुआ है। शुरुआती स्क्वाड में शामिल न होने के बावजूद, ओपनर प्रतिका रावल के चोटिल होने के बाद अचानक टीम में बुलाया गया और शेफाली ने इस मौके को बखूबी भुनाया। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए फाइनल मुकाबले में उन्होंने 87 रनों की कीमती पारी खेली और इसके साथ ही गेंदबाजी में दो महत्वपूर्ण विकेट भी अपने नाम किए। उनकी इस ऑलराउंड क्षमता ने भारत को निर्णायक मोड़ पर मजबूती दी, जिसके बाद आईसीसी ने उन्हें नवंबर प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामित किया है। इस श्रेणी में शेफाली को यूएई की ईशा ओझा और थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग से मुकाबला करना होगा, जिन्होंने आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था।

पुरुष वर्ग में नॉमिनेटेड तीन खिलाड़ियों में क्रमशः साउथ अफ्रीका के साइमन हार्मर, बांग्लादेश के तैजुल इस्लाम और पाकिस्तान के मोहम्मद नवाज शामिल हैं। हार्मर ने भारत दौरे पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में घातक गेंदबाजी करते हुए 17 विकेट झटके और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी बने। वहीं, तैजुल ने आयरलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में 13 विकेट हासिल किए। तीसरे नॉमिनी नवाज ने टी20 ट्राई सीरीज में बल्ले और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

इस बार महिलाओं में जहां भारत को शेफाली के रूप में मजबूत दावा दिखाई दे रहा है, वहीं पुरुष वर्ग में किसी भारतीय का न होना चर्चा का विषय बना हुआ है।

दिसंबर के पहले हफ्ते में ओटीटी पर धमाका

हॉरर-कॉमेडी से सस्पेंस थ्रिलर तक, देखें ये नई फिल्में

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिसंबर की शुरुआत मनोरंजन के पूरे पैकेज के साथ हुई है। जहां मल्टीस्टारर एक्शन फिल्म 'धुरंधर' ने थिएटर में एंट्री ले ली है, वहीं इस हफ्ते ओटीटी पर भी रोमांस, डर, ड्रामा और थ्रिल भरपूर देखने को मिलेगा।

दर्शकों के पास इस बार अलग-अलग जोनर की कहानियों का बड़ा कलेक्शन मौजूद रहेगा। इस हफ्ते ओटीटी पर सबसे ज्यादा चर्चा में है मैडॉक फिल्म्स की हॉरर-लव ड्रामा 'थामा', जिसमें आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी नजर आए हैं। इसे 2 दिसंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जा रहा है। रहस्य और रोमांच के साथ इमोशन का मिश्रण इस फिल्म को खास बनाता है।

इसके बाद बारी आती है रश्मिका मंदाना की एक और फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' की, जो अब नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है। थिएटर पर शानदार बिजनेस करने के बाद यह फिल्म अब ओटीटी पर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार है। फिल्म की कहानी जहां डर का एहसास कराती है, वहीं भावनात्मक स्तर पर भी असर छोड़ती है। मलयालम हॉरर-थ्रिलर पसंद करने वालों के लिए 'डाइस इरे' एक बड़ा विकल्प है। राहुल सदासिवन के निर्देशन में बनी यह फिल्म जियोसिनेमा/हॉटस्टार पर रिलीज हो चुकी है।

इसमें प्रणव मोहनलाल की कहानी दर्शकों को एक अलग दायरे की रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है।

इसके अलावा 'कुटुम पुरिधवन' की भावनात्मक और रहस्य से भरी कहानी भी दर्शकों के लिए उपलब्ध है। लापता लड़की की तलाश में निकले रिटायर फार्मासिस्ट और पूर्व पुलिसकर्मी की कहानी सोनी लिव पर देखी जा सकती है। अंग्रेजी व्यूअर्स के लिए इस हफ्ते खास है 'स्टीफन'-एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर, जिसमें एक शख्स खुद पुलिस स्टेशन जाकर हत्याओं का कबूलनामा देता है।

ये सीरीज आज से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो चुकी है। वहीं 'ग्रिफिन इन समर' एक 14 वर्षीय लड़के की जटिल भावनाओं की कहानी है, जो 2 दिसंबर से डिज्नी+हॉटस्टार पर देखी जा रही है। अंत में, 'द ग्रेट प्री वेडिंग शो' भी 5 दिसंबर से जी5 पर पूरी तरह एंटरटेनमेंट का डोज देने को तैयार है। एक शादी फोटोग्राफर की रॉयल वेडिंग में उथल-पुथल भरी कहानी दर्शकों को खूब हंसाएगी और उलझाएगी भी।

शतकों की हैट्रिक लगाते ही विराट कोहली रचेंगे इतिहास

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच चल रही वनडे सीरीज में टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली शानदार फॉर्म में दिखाई दे रहे हैं।

वह अभी तक दो मैचों में दो शतकीय पारियां खेल चुके हैं और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने हुए हैं। अब 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में होने वाले तीसरे और निर्णायक वनडे में कोहली के पास बड़ा रिकॉर्ड बनाने का मौका होगा। अगर वह इस मैच में भी शतक जड़ देते हैं तो वनडे क्रिकेट इतिहास में दो बार लगातार तीन शतक लगाने वाले पहले भारतीय बन जाएंगे। इससे पहले वह 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार तीन शतक लगा चुके हैं।

पहले वनडे में विराट ने 135 रनों की दमदार पारी खेली थी, जिसमें 11 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। उनकी इस पारी की बदौलत टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को 17 रन से मात दी थी। इसके बाद दूसरे वनडे में भी उन्होंने शानदार लय बनाए रखी और 102 रन की पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 7 चौके और 2 छक्के निकले। लगातार दो मुकाबलों में विराट के शतक लगने से टीम इंडिया आत्मविश्वास से भरी हुई है और निर्णायक मुकाबले में भी उनसे बड़ी पारी की उम्मीद की जा रही है।

कोहली के रिकॉर्ड की बात करें तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वह कई बेहतरीन उपलब्धियां अपने नाम कर चुके हैं। लेकिन इस बार उनके सामने इतिहास दोहराने का सुनहरा मौका है। यदि वह तीसरे मैच में भी शतक ठोकते हैं तो तीसरी बार लगातार तीन शतक जमाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी होंगे और दुनिया के चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो जाएंगे जिन्होंने यह कारनामा किया है। फिलहाल सीरीज 1-1 से बराबरी पर है। पहले मैच में भारत ने जीत हासिल की थी जबकि दूसरे मैच में साउथ अफ्रीका ने एडन मार्करम की कप्तानी पारी की बदौलत मुकाबला अपने नाम किया। तीसरा मैच दोनों टीमों के लिए निर्णायक साबित होगा। ऐसे में कोहली का बल्ला अगर एक बार फिर चल निकला तो न केवल टीम इंडिया सीरीज अपने नाम कर सकती है बल्कि विराट क्रिकेट इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय लिख सकते हैं।

शादी को किस्मत का फैसला बताती महिमा चौधरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आगामी फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान अभिनेत्री महिमा चौधरी ने रिश्तों, शादी और वफादारी पर बेबाक राय रखी। संजय मिश्रा संग कथित शादी की खबरों के बीच जब उनसे सवाल पूछा गया तो एक्ट्रेस ने साफ कहा कि आज के दौर में रिश्तों में छिपाव नहीं रहा। सोशल मीडिया ने पारदर्शिता बढ़ाई है, ऐसे में धोखा देना अब आसान नहीं रहा। महिमा ने कहा कि पहले के समय में अक्सर पुरुष शादी के बाद भी दूसरी रिलेशनशिप की ओर रुझान रखते थे, लेकिन अब समाज इसे स्वीकार नहीं करता। उन्होंने माना कि आज की युवा पीढ़ी रिश्तों को लेकर ज्यादा जिम्मेदार और वफादार है क्योंकि धोखा सामने आने में देर नहीं लगती। शादी पर अपनी राय बताते हुए महिमा ने मशहूर कहावत का जिक्र किया-"शादी वो लड्डू है, जो खाए वो पछताए, जो न खाए वो भी पछताए।" उन्होंने कहा कि हर इंसान के जीवन में किसी एक

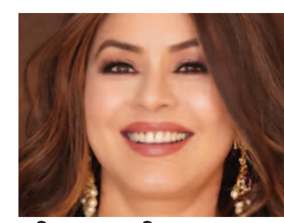

जीवनसाथी का साथ किस्मत से मिलता है

साथी का होना जरूरी है, जो परिस्थितियों के हर मोड़ पर साथ चले। महिमा ने विवाह को किस्मत से जोड़ते हुए कहा कि पुराने समय में घर-परिवार, स्वभाव और विचारों की समानता पर ही शादी होती थी और इसलिए रिश्ते लंबे चलते थे। आज भी शादी तभी करनी चाहिए, जब दो लोग आपसी समझ और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का फैसला कर सकें। फिल्म 19 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसमें महिमा और संजय मिश्रा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

'मेरा नाम जोकर' का जादू आज भी बरकरार

यूनिक समय, नई दिल्ली। रूस के साथ भारत की दोस्ती भले ही कूटनीति और बिजनेस मंचों पर दिखती हो, लेकिन एक समय बॉलीवुड प्रेम ने भी इसे बेहद मजबूत बनाया।

55 साल पहले रिलीज हुई राज कपूर की फिल्म 'मेरा नाम जोकर' आज भी रूसी दिलों की धड़कन बनी हुई है। इस फिल्म के गानों पर आज भी रूस में लोग नाचते और गुनगुनाते नजर आते हैं। राज कपूर की लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि रूसियों ने पहले 'आवारा हूं' गीत को अपनी पसंद बनाया और बाद में यह पूरी दुनिया में मशहूर हुआ।

रूसी दर्शक आवारा और मेरा नाम जोकर के गीतों और संवेदनाओं से इतने जुड़े कि उन्हें आधिकारिक भोजों में भी बजाया जाने लगा। कहा जाता है कि पूर्व रूसी राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन भी इस गीत को गुनगुनाते थे। राज कपूर को रूस में जो लोकप्रियता मिली, वह किसी स्टार या कलाकार से कहीं आगे थी, यहां तक कि उनकी तुलना बीटल्स से भी की गई। राज कपूर की फिल्मों में समाजवादी सोच, मानवता और

रूस में आज भी 'आवारा हूं' और 'मेरा जूता है जापानी' पर थिरकते हैं लोग

भावनात्मक संघर्ष के चित्रण ने रूसी दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। फिल्म 'संगम' ने भी प्रेम और त्याग की कहानी के कारण रूस में खूब लोकप्रियता बटोरी। 'मेरा नाम जोकर' में रूसी अभिनेत्री सेनिया रियाबिनकिना की मौजूदगी ने दोनों देशों की सांस्कृतिक रिश्तेदारी को और मजबूत किया।आज भी 'मेरा जूता है जापानी' और 'आवारा हूं' जैसे गीत रूस की गलियों से लेकर सांस्कृतिक आयोजनों में गूंजते हैं और राज कपूर-रूस दोस्ती का प्रतीक बने हुए हैं।

अयोध्या में हनुमानगढ़ी के संत को जलाने की कोशिश

आश्रम में खिड़की काटकर लगाई आग, पुलिस ने जांच तेज की

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या में हनुमानगढ़ी के वसंतीया पट्टी स्थित गोविंदगढ़ आश्रम में गुरुवार देर रात एक सनसनीखेज घटना सामने आई। संत महेशदास उर्फ स्वामी महेश योगी को जिंदा जलाने की कोशिश की गई। आधी रात करीब 2:45 बजे अज्ञात लोगों ने आश्रम के पिछले हिस्से की लोहे की जाली काटकर अंदर आग का गोला फेंक दिया, जिससे कमरे में अचानक आग भड़क उठी। संत उस समय आश्रम में अकेले सो रहे थे। पेट्रोल जैसी तेज गंध आने से स्पष्ट हुआ कि आग ज्वलनशील पदार्थ के जरिए लगाई गई थी।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और समय रहते आग पर काबू पाया गया। घटना में बड़ा हादसा टल गया और संत महेश योगी सुरक्षित रहे। आश्रम में मामूली नुकसान के अलावा किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस को कमरे के पीछे से कटी ग्रिल और ज्वलनशील पदार्थ के निशान भी मिले हैं, जिससे यह आशंका मजबूत हो गई है कि यह पूरी घटना पूर्व नियोजित साजिश के तहत की गई।

फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है। संत महेश योगी ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि घटना बेहद गंभीर है और दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को प्राथमिकता से जांचा जा रहा है। आसपास लगे कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और आश्रम के आसपास संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस मान रही है कि आरोपी घटनास्थल की बारीकी से जानकारी रखता था, इसलिए पीछे की खिड़की को निशाना बनाया गया। फिलहाल मामला अयोध्या में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग संत की सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं।

लखनऊ में दर्दनाक घटना

माउंट फोर्ड स्कूल में कक्षा छह के छात्र की हार्ट अटैक से मौत

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के माउंट फोर्ड स्कूल में शुक्रवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां कक्षा 6 के छात्र अमय की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। घटना के बाद स्कूल प्रशासन और छात्र–छात्राओं में अफरा–तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को अचानक अमय की तबीयत बिगड़ने लगी। उसे चक्कर और घबराहट महसूस होने पर स्कूल स्टाफ ने तुरंत उसे भाऊराव देवरस अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल ले जाते ही डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, अमय को अचानक हार्ट अटैक आया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। प्रारंभिक जानकारी में परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। बच्चे की अचानक मौत से परिवार, स्कूल स्टाफ और सहपाठी सदमे में हैं।

स्कूल परिसर में घटना के बाद शोक की लहर दौड़ गई है। सभी बच्चे और शिक्षक इस दुखद घटना से व्यथित हैं। प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं और मामले की विस्तृत जांच जारी है। अचानक हुई इस घटना ने बच्चों की स्वास्थ्य को लेकर चिंता और जागरूकता का बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

अब्दुल्ला आज़म को बड़ा झटका

दो पासपोर्ट केस में सात साल की सजा, 50 हजार जुर्माना

यूनिक समय,रामपुर। रामपुर में पूर्व विधायक और सपा नेता आज़म खां के बेटे अब्दुल्ला आज़म को दो पासपोर्ट मामले में सात साल की सजा सुनाई गई है। अदालत ने उन पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। वह पहले से ही दो पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा काट रहे हैं और इसी वजह से जेल में बंद हैं। शुक्रवार को कोर्ट ने उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश करते हुए दोषी ठहराया।

यह मामला वर्ष 2019 में दर्ज हुआ था, जब शहर विधायक आकाश सक्सेना ने आरोप लगाया था कि अब्दुल्ला आज़म ने दो अलग–अलग जन्मतिथियों के आधार पर दो पासपोर्ट बनवाए और उनका विदेश यात्राओं सहित अन्य स्थानों पर उपयोग किया। शिकायत में कहा गया कि उनकी शैक्षिक प्रमाणपत्रों में जन्मतिथि 1 जनवरी 1993 दर्ज है, जबकि पासपोर्ट में 30 सितंबर 1990 अंकित है।

जन्मतिथि और दस्तावेजों में विरोधाभास के बावजूद दोनों दस्तावेजों का लाभ उठाने का आरोप लगाया गया था। सुप्रीम कोर्ट से भी राहत न मिलने के बाद मामला एमपी–एमएलए कोर्ट में चला। अब कोर्ट ने उन्हें भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471 और पासपोर्ट अधिनियम की धारा 12(1) के तहत दोषी मानते हुए सात साल की सजा सुनाई।

मेरठ में सनसनी: वेस्ट एंड रोड पर युवक की गोली मारकर हत्या

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ के सदर बाजार थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां वेस्ट एंड रोड स्थित जैन विवाह मंडप के पास 26 वर्षीय युवक केशव सोनकर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के पिता राधेश्याम सोनकर ने अपने दामाद अंश और उसके दोस्त आयुष बंसल पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दोनों फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है।

जानकारी के अनुसार, रात करीब 12:30 बजे केशव को फोन कॉल कर घर से बाहर बुलाया गया। बाहर दो युवक बाइक लेकर आए और उसे साथ ले गए। कुछ ही देर बाद वह जैन विवाह मंडप के पास पहुंचे, जहां अचानक आरोपियों ने केशव के सीने में गोली मार दी और मौके से फरार हो गए। गोली लगने के बाद घायल केशव को परिजन तुरंत जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतक केशव, राधेश्याम का इकलौता बेटा था। हत्या के पीछे पारिवारिक विवाद को मुख्य वजह माना जा रहा है। प्रारंभिक जांच में सामने

जीजा और उसके दोस्त पर आरोप

आया कि केशव की बहन टीना लंबे समय से मायके में रह रही थी। उसका अपने पति अंश से मनमुटाव चल रहा था। इसी बात को लेकर केशव और अंश के बीच भी अक्सर कहासुनी होती थी। अंदाजा लगाया जा रहा है कि इसी तनाव के चलते अंश और उसके दोस्त ने मिलकर यह वारदात की।

एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह के अनुसार, पुलिस की तीन टीमें आरोपियों की तलाश में लगाई गई हैं। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, जिससे आरोपियों की गतिविधि और घटना क्रम की पुष्टि हो सके। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। परिजन गम और आक्रोश में हैं, जबकि स्थानीय लोग सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। पुलिस जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

बरेली में भीषण सड़क हादसा

कार–ट्रैक्टर की आमने–सामने टक्कर में दो की मौत

यूनिक समय, बरेली। बरेली के अलीगंज क्षेत्र में अलीगंज-सिरौली मार्ग पर गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। खैलम देह जागीर गांव के पास आलू से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉली और तेज रफ्तार से आ रही कार की आमने–सामने टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत टीमें मौके पर पहुंचीं और घायलों को अस्पताल भिजवाया।

जानकारी के अनुसार, सिरौली की ओर जा रही आलू से लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली देर रात खैलम देह जागीर के पास पहुंची ही थी कि गुलड़िया–सिरौली की तरफ से आ रही तेज रफ्तार नीले रंग की कार उससे जोरदार तरीके से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया। हादसे में कार चालक शेखर (35 वर्ष), निवासी संजयनगर, बरेली की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ट्रैक्टर चालक धनुषपाल, निवासी भूड़ा, थाना

पांच लोग गंभीर रूप से घायल

सिरौली, ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। दोनों वाहनों की टक्कर की तीव्रता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर कबाड़ में बदल गई।

सीओ आंवला नितिन कुमार और थाना प्रभारी जगत सिंह पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को मझगवां सीएचसी पहुंचाया। वहां से हालत गंभीर होने पर सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

घायलों में कुनाल मौर्य, विशाल राजपूत (20 वर्ष), नितिन चक्रवर्ती (22 वर्ष), मृतक चालक का 10 वर्षीय बेटा अरनव, और ट्रैक्टर सवार ब्रजपाल शामिल हैं। सभी का बरेली जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों का पंचनामा भरकर उन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल है, वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

लखनऊ एयरपोर्ट पर हंगामा: 14 घंटे तक फंसे रहे यात्री

उड़ानें लेट और रद्द होने पर फूटा गुस्सा

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार को यात्रियों का सब्र जवाब दे गया। इंडिगो और एयर इंडिया की उड़ानों के लगातार कई घंटों तक विलंब और अचानक रद्द होने से एयरपोर्ट पर हंगामे की स्थिति पैदा हो गई। यात्रियों ने एयरपोर्ट के अंदर नारेबाजी की और एयरलाइन के कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। अचानक उड़ानें रद्द होने से सैकड़ों यात्री फंस गए। कई यात्रियों को बिना किसी ठोस सहायता के घंटों एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ा।

यात्री आनंद वसंत ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि लखनऊ से कोलकाता की उड़ान रद्द कर दी गई और अगले दिन भी कोई समायोजन नहीं दिया गया। वहीं सुनील डी शालिग्राम ने बताया कि उनका बेटा पुणे से लखनऊ आने वाली उड़ान रद्द होने के बाद 14 घंटे तक एयरपोर्ट पर फंसा रहा, लेकिन किसी ने मदद नहीं की। राकेश कपूर ने शिकायत की कि दिल्ली एयरपोर्ट पर उन्हें अपने परिवार के साथ एक घंटे से ज्यादा काउंटर पर खड़ा रहना पड़ा। यात्री लगातार सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जता रहे हैं।

बृहस्पतिवार को भी अमौसी एयरपोर्ट से आने–जाने वाली 14 उड़ानें मौसम और तकनीकी कारणों से रद्द की गई थीं, जिनमें 12 उड़ानें इंडिगो की थीं। दिल्ली और कोलकाता के साथ–साथ मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद और दुबई की उड़ानों पर असर पड़ा। पिछले कई दिनों से विमानों का संचालन सामान्य नहीं है और स्थिति में सुधार नहीं हुआ है।

शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे टर्मिनल–3 में एक और उड़ान के रद्द होने पर यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर यात्रियों को शांत कराने का प्रयास किया और समस्या समाधान का आश्वासन दिया। फिलहाल एयरपोर्ट प्रशासन स्थिति को सामान्य करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन लगातार रद्द और लेट हो रहीं उड़ानों से यात्रियों में भारी आक्रोश है। कई लोग इसे एयरलाइंस की 'ऑपरेशनल फेल्योर' बता रहे हैं और जल्द सुधार की मांग कर रहे हैं।

सार संक्षेप

मोदी 20 दिसंबर को करेंगे बंगाल दौरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 दिसंबर को पश्चिम बंगाल के नदिया ज़िले में बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे। वे वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा भी करेंगे। भाजपा राज्य में 4-6 परिवर्तन यात्राएं निकालने की तैयारी में है।

राजस्थान हाईकोर्ट को उड़ाने की धमकी ईमेल से

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिला। संदेश मिलते ही परिसर को तुरंत खाली कराया गया। वकीलों, कर्मचारियों और वादकारियों को बाहर भेजा गया। सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। मामले की जांच जारी है।

महाराष्ट्र में बस-ट्रक भिड़ंत, दो लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के यवतमाल में चंद्रपुर-यवतमाल एसटी बस और ट्रक की जोरदार भिड़ंत हुई। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 14 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना जलका फाटा के पास हुई। राहत और बचाव दल ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

जापान दौरे में उद्योगपतियों से मिलते रहे मान

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान जापान दौरे के चौथे दिन विभिन्न उद्योगपतियों से मिल रहे हैं। निवेशकों में पंजाब को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है। मान ओसाका में एयर वाटर इंक के अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। कई व्यावसायिक बैठकों का कार्यक्रम तय है।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर यात्रियों को भारी परेशानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। देशभर में इंडिगो की उड़ानों में देरी और रद्द होने से यात्रियों को दिक्कत हो रही है। अहमदाबाद एयरपोर्ट पर भी बड़ी संख्या में लोग फंसे हुए हैं। यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। एयरलाइन ने तकनीकी कारणों को देरी की वजह बताया है।

इंडिगो समस्या पर स्थगन प्रस्ताव का नोटिस

यूनिक समय, नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया है। उन्होंने कहा कि इंडिगो की देरी और रद्द उड़ानों से देशभर में यात्रियों को गंभीर असुविधा हो रही है। इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा की मांग की गई है।

इमरान खान से मुलाकात पर पूर्ण रोक लगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से सभी मुलाकातों पर रोक लगा दी है। इसमें उनके परिवार के सदस्य और बहनें भी शामिल हैं। सरकार का कहना है कि मुलाकातों को राजनीतिक रूप से उपयोग किया जा रहा है। जेल प्रशासन को सख्त आदेश दिए गए हैं।

मोदी-पुतिन बैठक में भारत-रूस संबंधों को नई दिशा

आर्थिक और रणनीतिक समझौते रिश्तों को मिलेगी और मजबूती

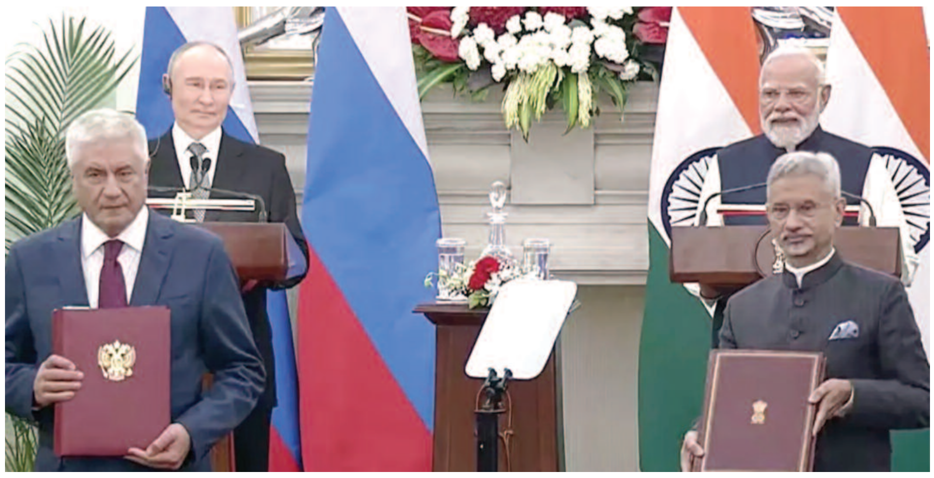

2030 तक आर्थिक समझौते पर बनी सहमति

यूनिक समय, नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिवसीय भारत दौरे पर हैं और उनके आगमन के दूसरे दिन भारत-रूस संबंधों में नई ऊर्जा देखने को मिली। शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति भवन में उनका औपचारिक स्वागत किया गया जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इससे पहले गुरुवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं पहुंचकर पुतिन का स्वागत किया था और दोनों नेता एक ही वाहन में बैठकर प्रधानमंत्री आवास पहुंचे थे। यह दोनों देशों के बीच गहरी मित्रता का संकेत माना जा रहा है।

हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता इस यात्रा का मुख्य केंद्र रही। बैठक के दौरान कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई और 2030 तक आर्थिक सहयोग बढ़ाने को लेकर सहमति बनी। खाद्य सुरक्षा, केमिकल, फर्टिलाइजर्स, स्वास्थ्य, हाईटेक एयरक्राफ्ट, स्पेस एक्सप्लोरेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में संयुक्त सहयोग को और विस्तृत करने पर भी जोर दिया गया। दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर भी हुए, जिनसे आर्थिक साझेदारी और मजबूत होने की उम्मीद है।

बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत-रूस संबंध समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं और भविष्य में इन्हें और भी विस्तार देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया कई संकटों से गुजर रही है, लेकिन भारत शांति के पक्ष में है और शांति प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत 'न्यूट्रल' नहीं बल्कि 'शांति का समर्थक' है और रूस-यूक्रेन संघर्ष पर उनकी स्थिति स्पष्ट है।

राष्ट्रपति पुतिन ने भी भारत की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि भारत-रूस संबंध विश्वास, समानता और सम्मान पर आधारित हैं। यूक्रेन संकट का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि रूस कई देशों के साथ मिलकर शांति समाधान की दिशा में काम कर रहा है। पुतिन ने यह भी कहा कि भारत और रूस हाईटेक क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं और आने वाले समय में यह सहयोग और बढ़ेगा।

दौरे के दौरान पुतिन ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी और आगंतुक पुस्तिका में लिखा कि गांधीजी के शांति और मानवता के विचार आज भी विश्व के लिए प्रासंगिक हैं।

उनके इस संदेश को वैश्विक संतुलन और शांति के लिए भारत-रूस की साझा सोच से जोड़कर देखा जा रहा है। यह दौरा कई मायनों में ऐतिहासिक माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत और रूस की साझेदारी नए आयामों की ओर बढ़ रही है और यह यात्रा दोनों देशों के संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत कर सकती है।

सांसद ने संसद में उठाया डिलीवरी ब्वॉय का मुद्दा

यूनिक समय, नई दिल्ली। राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद राघव

चड्ढा ने देशभर के डिलीवरी ब्वॉय और गिग वर्कर्स की समस्याओं को जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि जोमैटो, स्विगी, ब्लिंकिट, जैप्टो, ओला-उबर और अर्बन कंपनी जैसे प्लेटफॉर्म इन कामगारों के दम पर अरबों रुपये कमा रहे हैं, लेकिन ये कर्मचारी बेहद असुरक्षित परिस्थितियों में काम करते हैं।

चड्ढा ने बताया कि 10 मिनट में ऑर्डर पहुंचाने का दबाव इतना अधिक है कि डिलीवरी ब्वॉय अपनी जान जोखिम में डालकर लाल बत्ती पार करते हैं। देर होने पर रेटिंग घटने, प्रोत्साहन कटने और आईडी ब्लॉक होने का डर हमेशा बना रहता है। ग्राहक की शिकायत और कम रेटिंग उनकी महीनेभर की मेहनत पर पानी फेर देती है। उन्होंने कहा कि ये लोग रोज़ 12-14 घंटे काम करते हैं, सुरक्षा उपकरण नहीं होते और न ही अतिरिक्त भत्ता मिलता है। चड्ढा ने सरकार से अपील की कि गिग वर्कर्स की सुरक्षा, कमाई और अधिकारों के लिए ठोस नीति बनाई जाए, ताकि उनके जीवन में स्थिरता और सम्मान मिल सके।

इंडिगो संकट से आसमान छूने लगे हवाई किराए, यात्रियों को झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो के संकट का असर अब सिर्फ उड़ानों की कैंसिलेशन या देरी तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि इसके कारण हवाई किराए भी अचानक आसमान छूने लगे हैं। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और कोलकाता जैसे मेट्रो शहरों में टिकट के दाम दोगुने से भी अधिक हो गए हैं। यात्रियों को मजबूरी में वैकल्पिक फ्लाइट बुक करनी पड़ रही है और ट्रैवल पोर्टल्स पर किरायों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

पिछले दो दिनों में इंडिगो ने 1000 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल की हैं, जबकि सैकड़ों उड़ानों में देरी हुई। दिल्ली एयरपोर्ट से घरेलू उड़ानों की रद्दगी के कारण मांग अचानक बढ़ गई, जिससे अन्य एयरलाइंस ने भी किराए बढ़ा दिए हैं। दिल्ली-मुंबई रूट पर सामान्य दिनों में 5000-7000 रुपये का टिकट अब 38,000 से 50,000 रुपये तक पहुंच गया है। दिल्ली-चेन्नई रूट का किराया भी 10,000 रुपये से बढ़कर 81,000 रुपये तक पहुंच गया है।

अन्य रूट्स पर भी स्थिति गंभीर है। दिल्ली-बेंगलुरु का टिकट 6000-8000 रुपये से बढ़कर 43,000 रुपये हो गया है। दिल्ली-पटना का किराया 4000-5000 रुपये से बढ़कर 23,000 रुपये के पार पहुंच चुका है। दिल्ली-हैदराबाद का किराया 5000-7000 रुपये से बढ़कर 36,000 रुपये तक पहुँच गया है। इस संकट से हजारों यात्रियों की यात्रा योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। इंडिगो के अधिकारियों के अनुसार, कर्मचारियों की कमी और ऑपरेशनल परेशानियों के चलते फ्लाइट्स में देरी और कैंसिलेशन जारी रह सकती है। यात्रियों को सलाह दी जा रही है कि वे अपनी यात्रा से पहले एयरलाइन की वेबसाइट और ट्रैवल पोर्टल्स पर उपलब्ध फ्लाइट्स और किराए की जानकारी लगातार चेक करें।

इस स्थिति के बीच यात्रियों के लिए यात्रा महंगी और असुविधाजनक बन गई है, जिससे हवाई यात्रा की योजना पर गंभीर प्रभाव पड़ा है।

इंडिगो संकट: डीजीसीए ने रोस्टर आदेश वापस लिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। डीजीसीए ने इंडिगो एयरलाइन्स के चालक दल के साप्ताहिक विश्राम आदेश को तुरंत प्रभाव से वापस ले लिया है। अब क्रू के लिए छुट्टी रोस्टर पर किसी प्रकार की रोक नहीं रहेगी। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा कि ऑपरेशनल चुनौतियों, तकनीकी खराबियों और नए नियमों के कारण हालात प्रभावित हुए हैं। डीजीसीए ने एयरलाइन से कहा कि फ्लाइट संचालन जल्द सामान्य हो और टिकटों के दाम स्थिर रहें। इंडिगो ने अगले 48 घंटे में हालात सुधारने का भरोसा दिया। एयरलाइन का मुख्य लक्ष्य संचालन और समयबद्ध उड़ानों को पटरी पर लाना है।

चंपावत में सड़क हादसा

बारात लौटते समय जीप पलटी, पांच की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के चंपावत जिले के शेरा घाट के पास शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बारात लौटते समय बाराती जीप दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। घटना लगभग रात 2:30 बजे की बताई जा रही है। बारात शेरा घाट से पाटी चंपावत की ओर लौट रही थी, तभी यह दुर्घटना घटित हुई।

मृतकों में प्रकाश चंद उनियाल (40) निवासी सुभाषनगर, रुद्रपुर, केवल चंद्र उनियाल (35), सुरेश नौटियाल (32), भावना चौबे (28) और उनका बेटा प्रियांशु चौबे (6) शामिल हैं। हादसे में घायल हुए पांच लोगों में चालक देवीदत्त पांडेय (38), धीरज उनियाल (12), राजेश जोशी (14), चेतन चौबे (5) और भास्कर पंडा शामिल हैं। घायलों में से चार को नजदीकी लोहाघाट अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि एक गंभीर रूप से घायल को हायर सेंटर रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक टीम तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत तथा बचाव कार्य शुरू किया। मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और घायलों का उपचार किया जा रहा है। हादसे का कारण हाईवे पर तेज रफ्तार और सड़क की खतरनाक स्थिति बताई जा रही है, हालांकि पुलिस अभी जांच में जुटी है।

स्थानीय लोग और प्रशासनिक अधिकारियों ने परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों के इलाज में हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। यह हादसा क्षेत्रवासियों के लिए चिंता का कारण बन गया है और बारात लौटते समय सड़क सुरक्षा के महत्व को उजागर करता है। पुलिस ने लोगों से सावधानी बरतने और निर्धारित गति सीमा का पालन करने की अपील की है।

देहरादून: मोहब्बेवाला में ट्रक हादसा, छह वाहन क्षतिग्रस्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। देहरादून के मोहब्बेवाला इलाके में शुक्रवार सुबह करीब 8:30 बजे तेज़ रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर छह वाहनों को टक्कर मार दिया। चालक को नींद की झपकी आने के कारण ट्रक नियंत्रण खो बैठा। घटना में कोई गंभीर घायल नहीं हुआ, लेकिन कई दुकानों को नुकसान हुआ। सीमेंट से भरे ट्रक ने एक्सप्रेस वे से प्रवेश करते समय कार और विक्रम टेम्पो समेत वाहनों को टक्कर मारी। ट्रक का एक पहिया नाले में गिरा और डीजल बहने लगा, जिससे आग लगने का खतरा था। पुलिस और फायर ब्रिगेड ने तुरंत बचाव किया और करीब ढाई घंटे में सड़क साफ कर दी। मोहब्बेवाला क्षेत्र एक्सप्रेसवे एंट्री पॉइंट के कारण हादसों का हॉटस्पॉट बन चुका है। स्थानीय लोग और यातायात पुलिस लंबे समय से सख्त गति सीमा और सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग कर रहे हैं, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे रोके जा सकें।

प्रेमिका को मनाकर पुलिस ने बजवाया बैंड बाजा

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मारा मैरिज होम में छापा, भागा दूल्हा

दुल्हन और स्वजन को पुलिस ले आई थी थाने

दूल्हा के घर वाले भी लिए थे हिरासत में

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। सांप को रस्सी और रस्सी को सांप बनाने में खाकी को बड़ी महारत हासिल है। बिगड़े और उलझे काम को भी पुलिसकर्मी सुलझा सकते हैं । ऐसा ही कमाल पुलिस ने कर दिखाया। सात फेरों में विघ्न फैला रही विधवा महिला को पुलिस कर्मियों ने मना कर दूल्हे के सात फेरे डलवा दिए।

थाना क्षेत्र के एक गांव की विधवा महिला गुरुवार दोपहर को थाने आई। प्रार्थना पत्र देते हुए आरोप लगाया कि जिले के एक गांव में संचालित कपड़ा फैक्ट्री में काम करने के दौरान उसको गांव चुरमुरा निवासी दीपक ने प्रेम जाल में फंसा लिया। शादी का झांसा देकर वह चार साल से शारीरिक संबंध बनाने लगा। कुछ कहने पर शादी करने का आश्वासन देने लगा।

अनुसूचित जाति की महिला का कहना है कि उसके दो बच्चे हैं। प्रेमी दीपक दोनों बच्चों की देखभाल की बात कहने लगा तो वह उसके झांसे में आ गई। महिला ने बताया कि गुरुवार सुबह फैक्ट्री में काम के दौरान दीपक के दोस्त ने उसके एक मैरिज होम में गुपचुप शादी करने की बात बताई । थाने में आई महिला ने बताया कि दीपक गुपचुप शादी कर रहा है, आगरा के एक गांव से लड़की और उसके परिजन शादी को आ चुके हैं, उसने पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया। पुलिस पीड़िता के बताएं मैरिज होम में पहुंची तो वहां शादी की तैयारी चल रही थी। पुलिस पहुंचते ही दूल्हा बना दीपक मौके से भाग गया, जबकि पुलिस दुल्हन और उसके स्वजन के अलावा दूल्हे के कई परिजनों को थाने ले आई थी। जानकारों के अनुसार, इसके बाद दूल्हा पक्ष से जुड़े कुछ लोग थाने पहुंच गए । देर रात तक महिला को मनाने के लिए खुशामद शुरू हो गई, पुलिसकर्मी भी महिला को मनाने में जुट गए। रात करीब एक बजेः पुलिसकर्मियों ने अपनी मेहनत पर विजय पा ली और महिला को राजीनामा करने पर राजी कर लिया।

नकद दिए 40 हजार रुपये

दूल्हे की करतूत पर पर्दा डालने में जुटे पुलिसकर्मियों ने महिला को तत्काल 40000 रुपये दिलवाए। एक लाख रुपये में राजीनामा होने के बाद 60 हजार रुपये एक सप्ताह बाद देने की बात तय की गई। वैसे इस मामले में लक्ष्मी की कृपा खाकी पर भी खूब बरसी है, जिसकी चर्चा थाने और क्षेत्र में है।

सरकार की योजनाओं से हो रहे दिव्यांग लाभान्वित

रैली निकालते दिव्यांग युवक।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सावित्री देवी शिक्षा समिति के बैनर तले भरतपुर रोड नरहौली ग्राम में विश्व दिव्यांग दिवस मनाया। साथ ही दिव्यांगजनों को गर्म कंबल उपहार में वितरित कर दिव्यांग जनों के साथ रैली निकाली गई।

समिति के प्रबंधक रणजीत सिंह ने अब तक जिले के लगभग 400 से 500 दिव्यांग जनों को उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाओं से लाभान्वित कराया जा चुका है।

इसमें जिला दिव्यांग शक्ति करण अधिकारी का भी पूर्ण सहयोग मिल रहा है । इस मौके पर समिति की अध्यक्ष हेमलता राघव, बाबू लाल ,राहुल, रवींद्र कुमार गौतम एडवोकेट ठाकुर राहुल सिंह एडवोकेट विकास तिवारी दिव्यांग दल के अध्यक्ष हरवीर एवं रवि आदि मौजूद थे।

बहू की हत्या करने के आरोप में सास ससुर की जमानत खारिज

ससुराल में फांसी पर लटका मिला था बहू का शव

यूनिक समय, मथुरा। जिला जज विकास कुमार ने दहेज के लिए बहू की हत्या करने के आरोपी सास ससुर की जमानत याचिका को खारिज कर दी।

जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि कोसीकलां थाना क्षेत्र में 29 अक्टूबर 2025 को विवाहिता शबनम का शव ससुराल में फांसी के फंदे पर लटका मिला था। मृतका के पिता रहीस ने दहेज की खातिर बेटी की हत्या का मामला कोसीकलां थाने में दर्ज कराया था। पिता का आरोप था कि ससुराल वाले शादी के बाद दहेज में कार की मांग कर रहे थे। कार नहीं दिए जाने पर ससुराल वालों ने बेटी की गला दबा कर हत्या कर दी और शव को फांसी के फंदे पर लटका दिया। इस मामले में पति मौहम्मद, सास परवीन व ससुर कल्लो आदि के खिलाफ रिपोर्ट कराई थी। पुलिस ने सास व ससुर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। सास व ससुर ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से जिला जज विकास कुमार की अदालत में जमानत के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया। जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने जमानत याचिका का पुरजोर विरोध किया गया। अदालत ने दोनों की जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

मोबाइल कोर्ट ने सात मुकदमों का किया निस्तारण

तहसील मांट में मोबाइल कोर्ट में मुकदमों की सुनवाई करते ग्राम न्यायाधिकारी।

2800 रुपये का हर्जाना भी वसूला

यूनिक समय, सुरीर (मथुरा)। तहसील मांट में बार एसोसिएशन सभागार के सामने ग्राम न्यायालय मांट पर मोबाइल कोर्ट लगाई गई। कोर्ट ने सात मुकदमों का निस्तारण कर 2800 रुपये का जुर्माना भी वसूला।

ग्राम न्यायाधिकारी उत्कर्ष सिंह ने बताया कि ग्राम न्यायालय अधिनियम, 2008 के अध्याय 2 के नियम 9 के तहत सचल न्यायालय में 7 मुकदमों में राजीनामा कराकर उनका निस्तारण मौके पर ही किया गया। कोर्ट ने 2800 रुपए हर्जाना के रूप में भी वसूल किया गया। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद मांट तहसील अध्यक्ष भरत कुमार अग्रवाल एडवोकेट ने बताया कि मथुरा जिले में दूसरी बार ग्राम न्यायालय मांट द्वारा मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया है। इससे पूर्व टैंटीगांव के ब्रज कृषक इंटर कॉलेज में प्रथम बार मोबाइल कोर्ट आयोजित की गई थी। जिसकी सफलता को देखते हुए ग्राम न्यायाधिकारी के विशेष प्रयासों से दूसरी बार इस मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ दीवानी अधिवक्ता त्रिलोकी नाथ पचौरी एडवोकेट, बार एसोसिएशन मॉंट कार्यकारिणी सदस्य रामलाल अग्रवाल एडवोकेट, प्रशांत राजपूत, शिव शंकर गुप्ता, रघुवीर एडवोकेट, हरिओम एडवोकेट,लक्ष्मीकांत सोनकर एवं भुवनेश शर्मा आदि उपस्थित थे।

वॉलीबाल प्रतियोगिता में रतनलाल की छात्राओं ने लहराया परचम

विजयी होकर लौटी छात्राएं प्रधानाचार्या डा. नीता सिंह के साथ।

खेल संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। 28 से 30 नवंबर तक रमनलाल शोरावाला स्कूल में श्री गौरी लाल मैमोरियल ग्यारहवीं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता में जिले के अन्य स्कूल की छात्राओं के साथ-साथ रतनलाल की छात्राओं ने प्रतिभागिता करके श्रेष्ठ प्रदर्शन किया । इस प्रतियोगिता में जिया, रिद्धि,सुरभि, अनुष्का, सौम्या, कुमकुम चिकारा, तनिष्का, रश्मि आदि छात्राओं ने प्रतिभागिता की। विद्यालय की छात्रा कुमकुम चिकारा ने सर्वोत्कृष्ट खिलाड़ी की ट्रॉफी को अपने नाम कर विद्यालय एवं जिले का नाम रोशन किया है।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. नीता सिंह, विद्यालय के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल एवं प्रबन्धक बांके बिहारी शर्मा ने छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनका उत्साहवर्धन किया।

बलात्कार के मामले में वांछित आरोपी दबोचा

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन कोतवाली पुलिस ने बलात्कार के मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त जतिन निवासी कान्हा माखन सोसाइटी रुकमणी बिहार बलात्कार के एक मामले में वांछित चल रहा था। पुलिस ने उसे बुर्जा चौराहे के समीप से गिरफ्तार कर लिया।

कोर्ट ने दुर्घटना करने वाले को अदालत उठने तक की सजा दी

यूनिक समय, मथुरा। एसीजेएम / एसडी 1 कोर्ट ने एक डंफर की टक्कर मारकर टेंपो को क्षतिग्रस्त करने के मामले में अभियुक्त को दोषी मानते हुए अदालत उठने तक की सजा और 3500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।अभियुक्त विजय कुमार निवासी 829 समामण जनपद रोहतक हरियाणा को कोर्ट ने टेम्पो को डंफर से टक्कर मारने का दोषी ठहराते हुए अदालत उठने तक की सजा और 3500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

ऑनलाइन हाजिरी को लेकर चौमुहां में ग्राम सचिवों ने बांधी काली पट्टी

हाथ में काली पट्टी बांधकर धरना देते सचिव।

समाधान न होने पर डिजिटल हस्ताक्षर वाला डोंगल करेंगे जमा

संवाददाता

यूनिक समय, तरौली (मथुरा)। शुक्रवार को विकास खंड कार्यालय चौमुहां पर पंचायत सचिव और ग्राम विकास अधिकारियों ने ऑनलाइन उपस्थिति का विरोध करते हुए काली पट्टी बांधकर धरना दिया। सभी सचिवों ने बीडीओ की अनुपस्थिति में अपनी मांगे का ज्ञापन एडीओ पंचायत नवेश कुमार सुमन को दिया। इस मौके पर सचिव चौधरी ब्रजमोहन सिंह, ग्राम विकास अधिकारी योगेश शर्मा, ग्राम विकास अधिकारी सगीर अहमद, ग्राम विकास अधिकारी हरपाल सिंह आदि ने विचार व्यक्त किए। कहा कि जब तक ऑन लाइन उपस्थिति का आदेश वापिस नहीं लिया जाएगा तब तक आंदोलन करते रहेंगे। धरना देने वालों में दिलीप शर्मा, ग्राम विकास अधिकारी गोपाल प्रसाद, राजेश कुमार, ग्राम पंचायत अधिकारी रविन्द्र कुमार वशिष्ठ, वीरेश शर्मा तथा नेत्रपाल सिंह आदि उपस्थित थे।

डीएम की राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

सभी राजनैतिक दल मतदान केंद्रों पर अपने बीएलओ लगाएं

मुख्य संवाददाता

राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते डीएम सीपी सिंह।

6 एवं 7 दिसंबर को पांचों विधानसभा क्षेत्रों के सभी मतदान केंद्रों पर मेगा कैम्प

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के सम्बन्ध में सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई।

जिलाधिकारी ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया कि जिले की पांच विधानसभा क्षेत्रों के सभी मतदान केंद्रों पर 6 एवं 7 दिसंबर को मेगा कैंप / खुली बैठक होगी।

श्री सिंह ने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि आप अपने-अपने बीएलओ को सक्रिय करते हुए उक्त मेगा कैंप के माध्यम से अवशेष मतदाताओं का गणना प्रपत्र भरवाकर बीएलओ को प्राप्त कराए। बीएलओ के माध्यम से मेगा कैंप का आधिकाधिक प्रचार प्रसार करे तथा सभी जनपदवासियों को जागरूक करते हुए विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के सम्बन्ध में लगाए गए मेगा कैंप/ खुली बैठक का लाभ उठाने हेतु प्रेरित करे। मेगा कैंप में बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्रों का एकत्रीकरण, डिजीटाइजेशन तथा मैपिंग किया जाएगा। 6 एवं 7 दिसंबर को जनपद के सभी मतदान केंद्रों पर प्रातः 10.00 बजे से सांय 05.00 बजे तक मेगा कैम्प / खुली बैठक होगी। जिलाधिकारी ने बताया कि मेगा कैंप में एएसडीडी सूची खुली बैठक में पढ़कर सुनाई जायेगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, कांग्रेस के आदित्य तिवारी व यतेंद्र मुकद्दम, समाजवादी पार्टी से वीरेन्द्र यादव, बहुजन समाज पार्टी से प्रेम प्रकाश व मुनेंद्र सिंह निगम, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज खंडेलवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053